विषय सूची

पाठ	विषय	पृष्ठ
1	शिक्षक संदर्शिका का उपयोग कैसे करें?	2
	भाग 1 : समृद्ध कार्यक्रम का उद्देश्य एवं रूपरेखा	
2	समृद्ध कार्यक्रम का उद्देश्य एवं रूपरेखा	4
3	प्रेरणा सूची की दक्षताओं पर कार्य	5
4	शिक्षण योजना हेतु उपलब्ध शिक्षण सामग्री	6
	भाग 2 : समृद्ध कार्यक्रम की शिक्षण योजना एवं कार्ययोजना	
5	भाषा शिक्षण पर कार्य (कालांश विवरण सहित)	8
6	शून्य सप्ताह की संकल्पना एवं दैनिक कार्य योजना	9
7	प्रथम कालांश (मौखिक भाषा विकास) की साप्ताहिक कार्य योजना : सप्ताह 1–8	13
8	द्वितीय एवं तृतीय कालांश (डिकोडिंग) की साप्ताहिक कार्य योजना : सप्ताह 1–8	15
9	दैनिक शिक्षण योजनाः सप्ताह 1–8	16
	भाग 3 : शिक्षण सामग्री एवं गतिविधियाँ	
10	मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग की गतिविधियों का विवरण	31
11	प्रथम कालांश (मौखिक भाषा विकास) की दैनिक कार्य योजनाः एक नमूना	37
12	साप्ताहिक आकलन और पुनरावृत्ति	38
	भाग 4 : कक्षा प्रबंधन और कक्षा में प्रिंट रिच वातावरण का निर्माण	
	'आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (भाषा) 2020–2021' पृष्ठ संख्या 56–59	

1. शिक्षक संदर्शिका का उपयोग कैसे करें?

साल 2020 में हमने कुछ न कुछ ऐसा देखा, सुना और महसूस किया जो हमारे लिए बिल्कुल ही नया था। कोविड–19 का असर देश–दुनिया के सभी क्षेत्रों और हमारे ज़िंदगी के अनेक पहलुओं पर पड़ा। इसकी वजह से हम सभी ने पहली बार देशव्यापी लॉकडाउन का सामना भी किया। उत्तर प्रदेश भी इस देशव्यापी लॉकडाउन का हिस्सा बना और यहाँ के सभी शैक्षिक संस्थानों को उन्हीं चुनौतियों का सामना करना पड़ा जिससे भारतवर्ष के सभी शैक्षिक संस्थान साल भर प्रभावित रहे। मार्च माह से बंद हुए स्कूल साल के अंत तक भी खुल नहीं पाए।

स्कूल नहीं खुलने के कारण बच्चों के अधिगम स्तरों में गिरावट आई है और कक्षा उपयुक्त अधिगम स्तर को पाने एवं इसे बरकरार रखने के लिए भी पर्याप्त शिक्षण समय नहीं मिल पाया है। उत्तर प्रदेश सरकार एवं समग्र शिक्षा ने इस समस्या का उचित हल निकालने के लिए मिशन प्रेरणा के अंतर्गत **'समृद्ध कार्यक्रम'** की संकल्पना की है। इस कार्यक्रम में कक्षा 1–5 तक, भाषा एवं गणित के विषयों पर व्यवस्थित तरीके से कार्य करते हुए बच्चों के तत्कालीन अधिगम स्तरों को आगे बढ़ाने पर कार्य किया जाना प्रस्तावित है। समृद्ध कार्यक्रम की शिक्षण योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के सभी स्कूलों में सुनियोजित तरीके से कार्य करते हुए प्रेरणा सूची की कुछ निर्धारित दक्षताओं पर कार्य किया जाएगा। (इस शिक्षक संदर्शिका के भाग 1, पाठ 3 में हम इस पर बात करेंगे।)

यह शिक्षक संदर्शिका 'समृद्ध कार्यक्रम' के तहत कक्षा–1 की भाषा शिक्षण योजना पर है। स्कूल नहीं खुलने की वजह से कक्षा–1 में नामांकित बच्चों के साथ शैक्षिक कार्य करना संभव नहीं हो पाया है। अतः आठ सप्ताहों की कार्य योजना पर कार्य करते हुए कक्षा–1 के बच्चों के साथ विभिन्न गतिविधियाँ की जाएँगी जिससे वे निर्धारित दक्षताओं को हासिल कर सकें।

इस शिक्षक संदर्शिका के निम्न मुख्य भाग हैं।

- **भाग 1 : समृद्ध कार्यक्रम का उद्देश्य एवं रूपरेखा (पृष्ठ 4 से 6 तक)**
- **भाग 2 : समृद्ध कार्यक्रम की शिक्षण योजना एवं कार्ययोजना (पृष्ठ 8 से 30 तक)**
- **भाग 3 : शिक्षण सामग्री एवं गतिविधियाँ (पृष्ठ 31 से 40 तक)**
- **भाग 4 : कक्षा प्रबंधन और कक्षा में प्रिंट रिच वातावरण का निर्माण ('आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (भाषा) 2020–2021' पृष्ठ संख्या 56–59)**

इस पाठ में हम संदर्शिका के उपरोक्त सभी भागों को समझने का प्रयास करेंगे ताकि एक शिक्षक के रूप में हम 'समृद्ध कार्यक्रम' पर आधारित इस शिक्षक संदर्शिका को बेहतर तरीके से समझ सके एवं उपयोग कर सकें।

भाग 1 : समृद्ध कार्यक्रम का उद्देश्य एवं रूपरेखा में संक्षिप्त रूप से इस बात पर चर्चा की गयी है कि 8 सप्ताह की इस विशेष भाषा शिक्षण योजना में कक्षा 1 में किन मुख्य बिन्दुओं पर काम किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 1 में मुख्य रूप से डिकोडिंग और मौखिक भाषा विकास पर बच्चों के साथ काम किए जाने की योजना है। इस कार्यक्रम के तहत कक्षा–1 में हम प्रेरणा सूची की किन दक्षताओं पर कार्य करेंगे एवं शिक्षण प्रक्रिया के लिए किन शिक्षण सामग्रियों का उपयोग किया जाएगा इसके बारे में जान पाएँगे।

भाग 2 : समृद्ध कार्यक्रम की शिक्षण योजना एवं कार्ययोजना वाले खंड में हम मुख्य रूप से 8 सप्ताह की व्यापक शिक्षण योजना, साप्ताहिक शिक्षण योजना और प्रत्येक सप्ताह में प्रतिदिन तीनों कालांशों में किस तरह की शिक्षण योजना होगी, इस पर चर्चा करेंगे।

सभी शिक्षक साथियों से अनुरोध है कि इस भाग को ध्यान से देखें और समझें क्योंकि इसी भाग से हमें यह पता चलेगा कि हर दिन कक्षा–कक्ष में किस तरह की गतिविधियों का संचालन करना है और किस–किस तरह की सहायक शिक्षण सामग्रियों का उपयोग करना है।

भाग 3 : शिक्षण सामग्री एवं गतिविधियाँ वाले खंड में हम मुख्य रूप से यह समझने की कोशिश करेंगे कि किस तरह से शिक्षण सामग्रियों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। मसलन कलरव–1, सहज–1, कविता/कहानी पोस्टर, चित्र चार्ट आदि का उपयोग कब और कैसे करना है तथा इन सामग्रियों से संबंधित गतिविधियों को कक्षा में क्रियान्वित करने के चरण क्या हैं, कक्षा में इन पर कार्य करने के दौरान किन–किन बातों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है, इन पहलुओं पर बातचीत की गई है।

साप्ताहिक आकलन और पुनरावृत्ति कैसे कराई जाए, इस पर भी इस खंड में बात की गयी है। साप्ताहिक आकलन और पुनरावृत्ति इस कोर्स का एक बहुत ही महत्वपूर्ण भाग है जिसे समझना बेहद ज़रूरी है।

भाग 4 : कक्षा प्रबंधन और कक्षा में प्रिंट रिच वातावरण का निर्माण वाले भाग को आप पहले से प्रकाशित 'आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (भाषा) 2020–2021' पृष्ठ संख्या 56–59 को देखें एवं उपयोग में लाएँ।

कविताओं, कहानियों एवं मौखिक खेल गतिविधियों के संग्रह को आप इस आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका के भाग–4, पाठ 25 में देखें और कक्षा में इस्तेमाल करें।

इस पूरे कार्यक्रम के दौरान कुछ बातों का ध्यान हम सभी को विशेष रूप से रखना है, जैसे बच्चों के घर की भाषा को कक्षा में स्थान देना, सभी बच्चों को प्रत्येक गतिविधि में हिस्सा लेने के अवसर देना एवं उन्हें प्रोत्साहित करना, साप्ताहिक रूप से आकलन एवं पुनरावृत्ति करना।

हम आशा करते हैं कि **'समृद्ध कार्यक्रम'** सभी शिक्षकों एवं बच्चों के लिए एक अच्छा अनुभव रहेगा और हम सब मिलकर इस कार्यक्रम के उद्देश्यों को हासिल कर पाएँगे।

नोट : इस संदर्शिका के विभिन्न पृष्ठों के निचले हिस्से पर QR कोड्स दिए गए हैं। इन्हें स्कैन करें और प्रभावी शिक्षण प्रक्रिया के लिए इस्तेमाल में लाएँ। इनमें, सहज पुस्तकें, प्रेरणा सूचि आदि शिक्षण योजना से संबंधित अलग–अलग सामग्री हैं। QR कोड्स की सूची इस संदर्शिका के अंतिम पृष्ठ पर दी गई हैं।

इस संदर्शिका में 'शिक्षक' शब्द का प्रयोग, शिक्षिका और शिक्षक दोनों के लिए किया गया है।

2. समृद्ध कार्यक्रम का उद्देश्य एवं रूपरेखा

'समृद्ध' कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर कक्षा–1 की शिक्षण योजना तैयार की गई है :

- योजनाबद्ध तरीके से शिक्षण करते हुए विद्यार्थियों को न्यूनतम अधिगम स्तर तक ले जाना
- आगामी वर्ष के नए अकादमिक सत्र के लिए विद्यार्थियों को बेहतर रूप से तैयार करना

कार्यक्रम की रूपरेखा

भाषा शिक्षण की यह विशेष योजना कुल 8 सप्ताहों में पूरी की जाएगी। प्रतिदिन कुल 3 कालांशों में विद्यार्थियों के साथ योजनाबद्ध तरीके से शिक्षण कार्य किया जाएगा।

प्रत्येक कालांश में कुल 40 मिनट होंगे, अर्थात, कक्षा– 1 में भाषा शिक्षण के लिए कुल 120 मिनट होंगे। इस समय विभाजन पर हम भाग 2: समृद्ध कार्यक्रम की शिक्षण योजना एवं कार्ययोजना, पाठ– 5 भाषा शिक्षण पर कार्य (कालांश विवरण सहित) में बात करेंगे।

8 सप्ताहों की शुरुआत **शून्य सप्ताह** से की जाएगी। इस सप्ताह में बच्चों को सहज एवं स्कूल में स्वीकृत महसूस कराने के लिए विभिन्न गतिविधियाँ की जाएँगी। इन गतिविधियों से बच्चों और शिक्षकों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनेंगे और बच्चों को एक दूसरे को समझने में और जानने में मदद मिलेगी। इससे कक्षा में भयरहित वातावरण भी बनेगा और बच्चे आने वाले 8 सप्ताहों की कार्य योजना से बेहतर जुड़ पाएँगे। इस सप्ताह के अवलोकन से शिक्षकों को यह भी पता चलेगा कि किन बच्चों को भावनात्मक रूप से ज़्यादा सहयोग कि ज़रूरत पड़ सकती है।

8 सप्ताहों की शिक्षण योजना के अंतर्गत बच्चों के साथ प्रेरणा सूची के कुछ निर्धारित दक्षताओं को केंद्र में रखकर मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग पर कार्य किया जाएगा। इन पर कार्य करने के लिए विभिन्न गतिविधियों एवं शिक्षण सामग्री को उपयोग में लिया जाएगा। नीचे दी गई तालिका में इसे संक्षेप में दर्शाया गया है।

मौखिक भाषा विकास	डिकोडिंग
कविता/कहानी पोस्टर पर कार्य	वर्ण/मात्रा पहचान
चित्र चार्ट पर चर्चा	ब्लेंडिंग
कहानी पर कार्य	शब्द पठन

भाषा शिक्षण योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए शिक्षक कलरव–1, कार्यपुस्तिका–1, सहज–1, चित्र चार्ट, कहानी/कविता पोस्टर जैसी शिक्षण सामग्रियों का उपयोग करेंगे। इस पर भाग 1, पाठ 4– **शिक्षण योजना हेतु उपलब्ध शिक्षण सामग्री** में बातचीत की गई है।

इस पूरी शिक्षण प्रक्रिया में सप्ताह 2 से प्रत्येक सप्ताह में आकलन एवं पुनरावृत्ति की जाएगी। आकलन के आधार पर पीछे छूटे हुए बच्चों की पहचान कर उनके साथ विशेष अभ्यास कार्य किया जाना है। इस पर आगे विस्तार से बातचीत की गई है।

3. प्रेरणा सूची की दक्षताओं पर कार्य

आपके विद्यालय में सभी कक्षाओं के लिए प्रेरणा सूची दी गई है। प्रेरणा सूची में दी गई दक्षताओं को ध्यान में रखकर कक्षाकक्ष में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करना प्रस्तावित है। परंतु इस आठ सप्ताह के समृद्ध कार्यक्रम के अंतर्गत प्रेरणा सूची में दी गई सभी दक्षताओं पर समान रूप से कार्य करना शायद संभव न हो, इसलिए प्रेरणा सूची के कुछ दक्षताओं को प्राथमिकता देते हुए शिक्षण योजना बनाई गई है ताकि सभी बच्चे न्यूनतम अधिगम स्तर हासिल कर कक्षा–2 में जाने के लिए तैयार हो सकें।

इन आठ सप्ताहों के शिक्षण कार्यक्रम के अनुसार हम व्यवस्थित रूप से मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग पर कार्य करेंगे और कक्षा–1 के लिए निर्धारित भाषा शिक्षण के 14 दक्षताओं में से 9 दक्षताओं पर शिक्षण कार्य केन्द्रित करेंगे जो निमन्वत हैं।

कृपया नोट करें कि इसका अर्थ यह नहीं है कि बाकी दक्षताओं पर कार्य करने की आवश्यकता नहीं है, परंतु समय के अभाव के कारण ऐसा करना संभव नहीं हो पाया है।

क्र.	दक्षताएँ
1	बच्चे ग्रेड 1 के स्तर की कहानियों और कविताओं का आदर्श वाचन सुनकर समझ पाएँगे।
2	बच्चे ग्रेड 1 के स्तर का पाठ सुनकर घटनाओं और पात्रों के बारे में प्रत्यक्ष तौर पर स्मृति आधारित प्रश्नों के जवाब दे पाएँगे।
3	बच्चे रोजमर्रा के परिवेश में सुने जाने वाले सरल क्रिया शब्दों, चीज़ों/जानवरों के नाम बता पाएँगे। (परिचित चित्र पहचान, संज्ञाएँ व क्रिया शब्द)
4	बच्चे खुद के बारे में व साधारण स्थितियों के बारे में घर की भाषा में बात कर पाएँगे।
5	बच्चे वस्तुओं का वर्णन, किसी चित्र के बारे में कुछ वाक्य अपनी भाषा में बोल पाएँगे।
6	बच्चे परिचित शब्दों की प्रथम ध्वनि (इकाई ध्वनि) को पहचान पाएँगे।
7	बच्चे ग्रेड 1 में सिखाए गए वर्णों और अक्षरों (3 वर्ण या अक्षरों) से बने परिचित शब्दों को उचित गति और शुद्धता के साथ पढ़ पाएँगे।
8	बच्चे सरल परिचित शब्द लिख पाएँगे। (जिनमें 2–3 अक्षर हों)
9	बच्चे चित्र/पात्र/घटना का विवरण देने के लिए शब्द लिख पाएँगे।

कक्षा स्तर की प्रेरणा सूची देखने के लिए नीचे दिए गए QR Code को स्कैन करें।

कक्षा–1	कक्षा–2	कक्षा–3

P6V5G9

4. शिक्षण योजना हेतु उपलब्ध शिक्षण सामग्री

8 सप्ताह की इस शिक्षण योजना हेतु शिक्षकों के पास कई तरह की सामग्रियाँ उपलब्ध हैं।

कलरव–1 : कलरव–1 के पाठों पर समृद्ध कार्यक्रम के तहत निर्धारित दक्षताओं को प्रेरणा सूची के आधार बनाकर कार्य किया जाएगा। इसके अंतर्गत मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग पर कार्य किया जाना प्रस्तावित है।

कार्यपुस्तिका 1: कार्यपुस्तिका, कलरव–1 से संबंधित है। यह कार्यपुस्तिका पहले ही राज्य सरकार द्वारा बनाई जा चुकी है। इस पर मुख्यतः डिकोडिंग से संबंधित कार्य किया जाना है। कार्यपुस्तिका में लेखन पूर्व अभ्यास से संबंधित कुछ अभ्यास दिए गए हैं। ये गतिविधियाँ सरल हैं एवं ये बच्चों को लेखन कार्य से जोड़ने में मदद करेंगी। साप्ताहिक एवं दैनिक कार्ययोजना के हिसाब से इस पर कार्य किया जाएगा।

कार्यपुस्तिका पर कार्य करने के दौरान शिक्षकों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि सभी बच्चों को अभ्यास करने के पर्याप्त मौके मिले। कार्यपुस्तिका पर कार्य कराने के साथ–साथ कॉपी पर भी अभ्यास कार्य कराये जाएँ। इसके साथ ही प्रत्येक सप्ताह में दिए गए वर्ण–मात्रा की पहचान एवं इन्हें जोड़कर पढ़ने से संबंधित कुछ खेल गतिविधियाँ भी कराएँ। इससे बच्चों की डिकोडिंग कौशल पर अर्थपूर्ण और मज़बूत पकड़ बनेगी।

इन सामग्रियों के अलावा कुछ सहायक शिक्षण सामग्रियों को भी उपलब्ध कराया जाएगा। इनका विवरण नीचे दी गई तालिका में देखें :

सामग्री का नाम	उपयोगिता
चित्र चार्ट 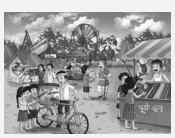	इस सत्र में अलग–अलग विषयों पर 1 सेट में कुल 10 चित्र चार्ट दिये जाएँगे। दो चित्र चार्टों को शून्य सप्ताह में उपयोग किया जाएगा और बाकी आठ चित्र चार्टों को आठ सप्ताह के कार्यक्रम में साप्ताहिक रूप से उपयोग में लाया जाएगा। कलरव–1 में दिए गए चित्रों पर भी चर्चा करना प्रस्तावित है।
कविता पोस्टर 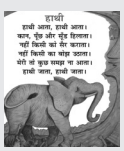	कलरव–1 की कविताओं पर कार्य करने के अलावा कविता पोस्टर में दी गई कविताओं पर भी कार्य किया जाना है। इस सत्र में कक्षा–1 के लिए कुल 5 कविता पोस्टर दिए जाएँगे। इनका उपयोग कविताओं को गाने और प्रिंट चेतना पर कार्य करने के लिए किया जाएगा। (प्रिंट चेतना पर आगे बातचीत की गई है।)

कहानी पोस्टर	कलरव–1 की कहानियों पर कार्य करने के अलावा कहानी पोस्टर में दी गई कहानियों पर भी कार्य किया जाना है। इस सत्र में कक्षा–1 के लिए कुल 5 कहानी पोस्टर दिए जाएँगे। इनका उपयोग कहानी पढ़कर सुनाने और प्रिंट चेतना पर कार्य करने के लिए किया जाएगा।
सहज–1	सहज–1 की प्रति सभी बच्चों को दी जाएगी। यह कक्षा–1 के बच्चों के पठन–स्तर को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसका उपयोग कहानी पर कार्य के लिए किया जाना है।
आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (2020–2021) 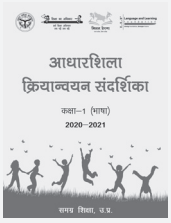	आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका के कुछ हिस्सों का उपयोग हम इस समृद्ध कार्यक्रम में भी करेंगे, जैसे कक्षा प्रबंधन, कविताओं/कहानियों एवं मौखिक भाषा विकास की खेल गतिविधियाँ। इस संदर्शिका में भाग 4 : कक्षा प्रबंधन और कक्षा में प्रिंट रिच वातावरण निर्माण के लिए अलग से कोई आलेख या रणनीति नहीं दी गई है। पिछली संदर्शिका (जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है) के भाग 3, पाठ 23–24, पृष्ठ संख्या 56–60 को उपयोग में लाते हुए कक्षा–कक्ष में कार्य करना प्रस्तावित है। मौखिक भाषा विकास से संबंधित गतिविधियों का संकलन भी आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (2020–2021) के भाग 4, पाठ 25, पृष्ठ संख्या 62–70 में उपलब्ध है। कक्षा में बालगीत, कहानियाँ और मौखिक भाषा से संबंधित खेल गतिविधियों को कराने के लिए इसे अवश्य ही उपयोग में लाएँ।

5. भाषा शिक्षण पर कार्य (कालांश विवरण सहित)

कक्षा 1 में भाषा शिक्षण हेतु कुल 3 कालांश प्रस्तावित हैं। इन तीनों कालांशों में कुल 120 मिनट का समय मिलेगा। प्रथम कालांश में कुल 40 मिनट में मौखिक भाषा विकास पर कार्य किया जाएगा। वहीं, द्वितीय एवं तृतीय कालांश को एक साथ मर्ज करके लगभग 80 मिनट तक डिकोडिंग पर कार्य करने की योजना प्रस्तावित है। इन तीनों कालांशों में किस प्रकार कार्य किया जाएगा इसकी विस्तृत योजना नीचे दी गई है।

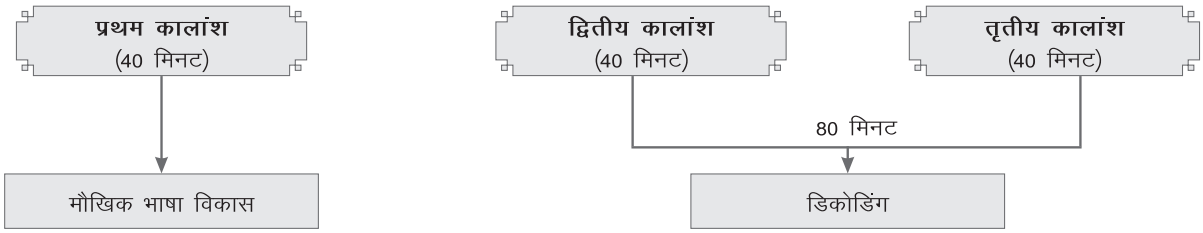

कालांश 1 मौखिक भाषा विकास पर कार्य (40 मिनट)	कालांश 2 एवं 3 डिकोडिंग पर कार्य (80 मिनट)
गतिविधियाँ	
• कक्षा में अनुकूल वातावरण बनाने के लिए गतिविधियाँ • कविता/कहानी पोस्टर पर कार्य • कहानी पर कार्य • चित्रों पर चर्चा **सहायक शिक्षण सामग्री– चित्र चार्ट, कविता/कहानी पोस्टर, सहज–1 और कलरव–1 पर कार्य किया जाना प्रस्तावित है।**	• ध्वनि चेतना • वर्ण पहचान पर कार्य • मात्रा पहचान पर कार्य • ब्लेंडिंग (वर्ण एवं अक्षर को जोड़कर पढ़ना)पर कार्य • शब्द पठन पर कार्य **बच्चों द्वारा कार्य पुस्तिका एवं कॉपी पर लेखन कार्य किया जाना प्रस्तावित है।**
समय विभाजन	
• कक्षा में अनुकूल वातावरण बनाने से संबंधित गतिविधियाँ : 5–7 मिनट • पोस्टर, कहानी या चित्र पर चर्चा से संबंधित किसी एक गतिविधि पर कार्य : 25–30 मिनट	• ध्वनि चेतना : 5–10 मिनट • वर्ण पहचान : 20–25 मिनट • ब्लेंडिंग : 10–15 मिनट • शब्द पठन : 20–25 मिनट • लेखन कार्य : 10–15 मिनट यह एक सामान्य समय विभाजन है।

दैनिक एवं साप्ताहिक रूप से इन गतिविधियों पर कैसे कार्य किया जाना है, इस पर आगे विस्तार से बातचीत की गई है।

T7L5X2

6. शून्य सप्ताह की संकल्पना एवं दैनिक कार्य योजना

8 सप्ताह के इस भाषा शिक्षण योजना की शुरुआत के पहले स्कूल खुलते ही विद्यार्थियों के साथ एक सप्ताह तक परिचय एवं वार्मअप गतिविधियों पर कार्य किया जाएगा। इसे हमने शून्य सप्ताह का नाम दिया है। इस संदर्शिका के पाठ–2 में हमने इस पर बातचीत की है। इस पाठ में हम शून्य सप्ताह की दैनिक कार्य योजना पर चर्चा करेंगे। इस सप्ताह में भी हमें 120 मिनट उपलब्ध होंगे लेकिन हम इसे मौखिक भाषा विकास या डिकोडिंग कालांश में विभाजित नहीं कर रहे हैं।

इस सप्ताह में गतिविधियों को सीखने–सिखाने के दृष्टिकोण से नहीं बल्कि बच्चों को स्कूल से जोड़ने के उद्देश्य से करवाया जाएगा। यह गतिविधियों के स्वरूप एवं कठिनाई के स्तर में देखा जा सकता है।

शून्य सप्ताह की दैनिक कार्य योजना

दिन	शून्य सप्ताह
1	• **परिचय सत्रः** सबसे पहले बच्चों को अपना नाम, उनके परिवार में कौन–कौन हैं और उन्हें खाने में क्या पसंद है? यह बताने को कहें। इससे पहले आप अपने बारे में बच्चों को बताएँ। • **कहानीः** सभी बच्चों को एक गोलाकार में बैठाएँ एवं उन्हें स्थानीय भाषा में कोई कहानी पूरे हाव भाव के साथ सुनाएँ। आप आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1, पृष्ठ संख्या– 68, से *'दर्ज़ी और हाथी'* कहानी भी सुना सकते हैं। कहानी सुनने के बाद आप इस कहानी पर बच्चों से थोड़ी बातचीत (कुछ साधारण और अनुभव वाले प्रश्न) करें। उन्हें आप अपने मन से कोई भी चित्र बनाने को कह सकते हैं। चित्र बनाने के बाद, इन पर आप बच्चों से अवश्य बात करें और जानने का प्रयास करें कि उन्होंने क्या और क्यों बनाया है। • **मौखिक खेल गतिविधिः** आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1, पृष्ठ संख्या– 69 से *'क्या–क्या होता है'* गतिविधि कराएँ। • **कविताः** बच्चों को स्थानीय भाषा में कोई कविता पूरे हाव–भाव के साथ सुनाएँ। फिर, सभी बच्चों को आपके साथ–साथ कविता गाने के लिए प्रोत्साहित करें। इसे कम से कम 2–3 बार करें, बच्चों को भी हाव–भाव के साथ कविता गाने को कहें। • **चित्र चार्ट पर बातचीतः** चित्र चार्ट– 'परिवार' पर कार्य किया जाएगा। बच्चों को एक गोले में बिठाएँ ताकि सभी को चित्र चार्ट दिख सके। चित्र चार्ट पर बच्चों के साथ बातचीत करें और सबसे पहले उन्हें चित्र में क्या–क्या दिख रहा है, उनके नाम बताने को कहें। बच्चे किसी भी भाषा में इन चीज़ों के नाम बता सकते हैं। फिर, आप बच्चों से चित्र में क्या हो रहा है, इस पर अनुमान लगाने को कहें। बच्चे शब्दों या अधूरे वाक्यों में अपनी बात बता सकते हैं। सभी प्रतिक्रियाओं को सुने और छोटे एवं सरल सवालों की मदद से चित्र के प्रति उनकी रूचि और उत्साह को बढ़ाएँ।

2	• **चित्र चार्ट पर बातचीतः** चित्र चार्ट– *'सड़क'* पर कार्य किया जाएगा। पिछले दिन की तरह इस पर बातचीत करें। • **कहानीः** सभी बच्चों को एक गोलाकार में बैठाएँ एवं उन्हें सहज–1, पाठ–8, 'शेरू' कहानी को पढ़कर सुनाएँ। इससे पहले आप बच्चों को अपनी–अपनी सहज की प्रतियों को निकालने को कहें और पाठ–8 में देखने के निर्देश दें। आप उन्हें सहज–1 से पाठ–8 में दिए गए चित्रों को दिखाएँ और उन्हें अपनी पुस्तक के पन्नों को पलटते हुए पाठ–8 के चित्रों पर लाने को कहें। चित्रों के आधार पर कहानी में क्या हो रहा है, इसका अनुमान आप उन्हें लगाने दें। बच्चों की प्रतिक्रियाओं को सही या गलत उत्तर में न बाँटें तथा हर जवाब को कक्षा में स्थान दें। अब उन्हें, किताब में से कहानी सुनाएँ। पाठ के शीर्षक पर उनका ध्यान दिलाएँ। कहानी सुनाने के बाद आप इस कहानी पर बच्चों से थोड़ी बातचीत करें और उन्हें यह भी पूछ सकते हैं कि इस कहानी का कोई अन्य नाम (शीर्षक) क्या हो सकता है। आखिर में उन्हें आप अपने मन से कोई भी चित्र बनाने को कहें और उस पर बातचीत करें। • **मौखिक खेल गतिविधिः** आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1, पृष्ठ संख्या– 69 से *'ओला–ओला बम का गोला'* गतिविधि कराएँ। • **कविताः** पहले दिन की तरह ही इस दिन भी कविता पर कार्य किया जाएगा। आप अपने मन से कोई भी स्थानिय कविता ले सकते हैं। पिछले दिन की कविता को भी सम्मिलित करें। • **मोटर स्किल (कौशल):** बच्चों को 5 से 6 छोटे समूह में बाँटें और उन्हें एक कागज़ या पेपर प्लेट में 3–4 अलग–अलग अनाज दें, जैसे– चावल, गेहूँ, दाल, मटर, राज़मा आदि। अब हर समूह को इनको अलग–अलग छॉटने को कहें। इससे बच्चों को एक–दूसरे से बात करने के मौके के साथ–साथ उन्हें एक समूह में कार्य करने का अनुभव भी होगा।
3	• **परिचयः** बच्चों को जोड़ों में बैठने को कहें और एक–दूसरे को स्कूल में अब तक क्या अच्छा लगा इस पर बातचीत करने को कहें। इसका एक उदाहरण गतिविधि की शुरुआत में दें, इससे बच्चों को क्या–क्या बातचीत करनी है, इसकी थोड़ी समझ बनेगी। गतिविधि के अंत में, 5–7 बच्चों को अपनी बातों को पूरी कक्षा के सामने साझा करने को कहें। आप भाषा या व्याकरण की दृष्टि से उनकी प्रतिक्रिया को न आँकें और न ही सुधार करें। • **कहानीः** आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1, पृष्ठ संख्या– 66 से 68 में से कोई भी कहानी ले सकते हैं। पूरे हाव–भाव से कहानी सुनाने बाद बच्चों को इसी कहानी को अपने शब्दों में सुनाने को कहें। बच्चे उस तरह से कहानी नहीं सुना पाएँगे जैसे आपने उन्हें सुनाई हो, क्योंकि यह एक उच्च स्तर का कौशल है। बच्चे कुछ शब्दों में, अधूरे वाक्यों में और कहानी में अनेक तरह के बदलाव करते हुए कहानी सुनाएँगे। इसे कक्षा में जगह दें और सुधार करने से बचें। यहाँ उद्देश्य बच्चों को गतिविधि से जोड़ना, उनमें विश्वास पैदा करना तथा धीरे–धीरे सीखने–सिखाने की प्रक्रिया से जोड़ना है।

3	• **लेबलिंग पर कार्यः** बच्चों को अपनी कक्षा का अवलोकन करने को कहें और कक्षा में दिख रही चीज़ों के नाम बोलने को कहें। आप शुरुआत में बच्चों को एक–दो उदाहरण दें। बच्चों द्वारा बोले जाने वाली चीज़ों को बोर्ड पर लिखें और फिर बच्चों को बोर्ड पर क्या लिखा है, इसकी पहचान करने को कहें। इस सूची से कुछ चीज़ों के नाम को चार्ट पेपर पर बड़े–बड़े अक्षरों में लिखें और उस चीज़ के ऊपर चिपका दें। जैसे– दीवार, बोर्ड, कुर्सी, घड़ी, दरवाज़ा, खिड़की, टेबल, आदि। अगले 2–3 सप्ताहों में बच्चों को चार्ट पेपर पर लिखें नामों को देखकर पढ़ने के मौके दें एवं अभ्यास कराएँ। • **कविताः** बच्चों को सहज–1 से, पाठ–1 की कविता 'रेलगाड़ी' को पूरे हाव–भाव के साथ सुनाएँ। फिर, सभी बच्चों को आपके साथ–साथ कविता गाने के लिए प्रोत्साहित करें। इसे कम से कम 2–3 बार करें, बच्चों को भी हाव–भाव के साथ कविता गाने को कहें। पिछली कविताओं को भी शामिल करें और बच्चों के साथ गाएँ। • **मोटर स्किल (कौशल):** बच्चों को 5 से 6 छोटे समूह में बाँटें और उन्हें एक कागज़ या पेपर प्लेट में अलग–अलग रंग के फूलों (पंखुड़ियों) को दें। अब बच्चों को इन फूलों/पंखुड़ियों को रंगों के आधार पर विभाजित करने को कहें।
4	• **अनुभव पर चर्चाः** बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में बैठने को कहें और उन्हें अपने पसंदीदा त्योहार के बारे में कुछ बातें करने को कहें। इसका एक उदाहरण गतिविधि की शुरुआत में दें, इससे बच्चों को क्या–क्या बातचीत करनी है, इसकी थोड़ी समझ बनेगी। गतिविधि के अंत में, 5–7 बच्चों को अपनी बातों को पूरी कक्षा के सामने साझा करने को कहें। ध्यान रखें कि अलग–अलग दिन अलग–अलग बच्चों को कक्षा के सामने अपनी बातों को रखने का अवसर मिले। आप भाषा या व्याकरण की दृष्टि से उनकी प्रतिक्रिया को न आँकें और न ही सुधार करें। • **कहानीः** सहज–1, पाठ– 10, *'रीता की गुड़िया'* पर पिछले दिन की तरह ही कार्य करें। • **प्रिंट से परिचय पर कार्यः** बच्चों को बारी–बारी से अपने नामों को बोलने को कहें और आप उनके नामों को बोर्ड पर लिखें। फिर बच्चों को बोर्ड पर क्या लिखा है, इसकी पहचान करने को कहें। अगर बच्चे अपने नामों को बोर्ड से पहचान कर बताने में गलती करें तो उनका सुधार करें। अब इन नामों को चार्ट पेपर पर बड़े–बड़े अक्षरों में लिखें और कक्षा की किसी दीवार पर चिपका दें। इस चार्ट को बच्चों की नज़र के स्तर पर रखें, ताकि उनकी नज़र अपने नामों पर पड़ती रहे। अगले 2–3 सप्ताहों में बच्चों को अपने नामों को चार्ट पेपर से देखकर पढ़ने के मौके दें एवं अभ्यास कराएँ। • **कविताः** आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1, पृष्ठ संख्या–62 से 65 से कोई भी कविता बच्चों को पूरे हाव–भाव के साथ सुनाएँ। इस पर वैसे ही कार्य करें जैसे आपने पिछले दिन किया था। • **मोटर स्किल (कौशल):** बोर्ड पर कुछ आकृतियाँ बनाएँ, जैसे– गोला, त्रिभुज, आयत, वर्ग, शंकु, अंडाकृति आदि और बच्चों को इन्हें देखकर एक पेपर में बनाने और रंग भरने को कहें। पेपर के ऊपर वाले हिस्से में बच्चों को अपने नाम लिखने को कहें। बच्चे अपना नाम सही से नहीं लिख पाएँगे, यह मुमकिन है, परंतु बच्चों ने जैसे भी लिखा है, वह अभी के लिए ठीक है। अब बच्चों के इस कार्य को कक्षा के किसी एक दीवार पर चिपका दें।

5	• **अनुभव पर चर्चा:** बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में बैठने को कहें और उन्हें अपने पसंदीदा खेल के बारे में कुछ बातें करने को कहें। इस गतिविधि को पिछले दिन के अनुभव पर चर्चा की तरह कराएँ। • **कहानी:** आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1, पृष्ठ संख्या– 66 से 68 में से कोई भी कहानी ले सकते हैं। इस पर पिछले दिनों की तरह ही कार्य करें। • **लेबलिंग एवं प्रिंट से परिचय पर कार्य:** कक्षा में अभी तक कराए गए लेबलिंग एवं प्रिंट से परिचय का अभ्यास कराएँ। • **कविता:** आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1, पृष्ठ संख्या– 62 से 65 से कोई भी कविता बच्चों को पूरे हाव–भाव के साथ सुनाएँ। इस पर वैसे ही कार्य करें जैसे आपने पिछले दिनों में किया है। • **मोटर स्किल (कौशल):** बोर्ड पर कुछ नए चित्र (सामान्य) बनाएँ, जैसे– आम, इमली, सेब, बल्ला, गेंद, फूल, चूहा आदि और इन चित्रों के नीचे इनका नाम भी लिखें। इन चित्रों की बनावट को सरल रखें ताकि बच्चों के लिए आसानी हो। बच्चों को इन्हें देखकर एक पेपर में बनाने, इनके नाम लिखने और रंग भरने को कहें। पेपर के ऊपर वाले हिस्से में बच्चों को अपने नाम लिखने को कहें। अब बच्चों के इस कार्य को कक्षा के किसी एक दीवार पर चिपका दें।
6	• **अनुभव पर चर्चा:** बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में बैठने को कहें और उन्होंने घर से स्कूल की तरफ आते समय क्या–क्या देखा या क्या–क्या देखते हैं, इस पर कुछ बातें करने को कहें। इस गतिविधि को पिछले दिन के अनुभव पर चर्चा की तरह कराएँ। • **कहानी:** आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1, पृष्ठ संख्या–66 से 68 में से कोई भी कहानी ले सकते हैं। इस पर पिछले दिनों की तरह ही कार्य करें। • **लेबलिंग पर कार्य:** कक्षा में अभी तक कराए गए लेबलिंग के कार्य का अभ्यास कराएँ। • **कविता:** आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1, पृष्ठ संख्या–62 से 65 से कोई भी कविता बच्चों को पूरे हाव–भाव के साथ सुनाएँ। इस पर वैसे ही कार्य करें जैसे आपने पिछले दिनों में किया है। • **मोटर स्किल (कौशल):** बोर्ड पर कुछ नए चित्र (सामान्य) बनाएँ, जैसे– किताब, पेन, टेबल, बोतल, तारा, पहाड़ आदि। इन चित्रों के नीचे इनका नाम भी लिखें। इन चित्रों की बनावट को सरल रखें ताकि बच्चों के लिए आसानी हो। बच्चों को इन्हें देखकर एक पेपर में बनाने, इनके नाम लिखने और रंग भरने को कहें। पेपर के ऊपर वाले हिस्से में बच्चों को अपने नाम लिखने को कहें। अब बच्चों के इस कार्य को कक्षा के किसी एक दीवार पर चिपका दें।

7. प्रथम कालांश (मौखिक भाषा विकास) की साप्ताहिक कार्य योजना : सप्ताह 1–8

नीचे दी गई तालिका में मौखिक भाषा विकास की साप्ताहिक योजना दी गई है। इसे कलरव–1 एवं अन्य शिक्षण सामग्री को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है।

सप्ताह	दिवस 1	दिवस 2	दिवस 3	दिवस 4	दिवस 5	दिवस 6
1	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत/छोटी स्थानीय कहानी/मौखिक खेल गतिविधि (प्रतिदिन) • चित्र चार्ट पर चर्चाः खेत • कविता पोस्टरः काशीफल • कहानी पर कार्यः सहज–1, पाठ 4 • चित्र पर चर्चाः कलरव–1, पाठ– 2 • कहानी पोस्टरः मेंढक का गाना					
2	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत/छोटी स्थानीय कहानी/मौखिक खेल गतिविधि (प्रतिदिन) • चित्र चार्ट पर चर्चाः खेल • कहानी पोस्टरः भालू और मदारी • कहानी पर कार्यः सहज–1, पाठ 5 • कविता पर कार्यः कलरव–1, पाठ 1 (पहला दिन), कलरव–1, पाठ 4 (दूसरा दिन),					आकलन एवं पुनरावृत्ति
3	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत/छोटी स्थानीय कहानी/मौखिक खेल गतिविधि (प्रतिदिन) • चित्र चार्ट पर चर्चाः मेला • कविता पोस्टरः बरसात • कहानी पर कार्यः सहज–1, पाठ 9 • चित्र पर चर्चाः कलरव–1, पाठ 3 • कविता पोस्टरः हाथी					आकलन एवं पुनरावृत्ति
4	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत/छोटी स्थानीय कहानी/मौखिक खेल गतिविधि (प्रतिदिन) • चित्र चार्ट पर चर्चाः दंगल • कविता पोस्टरः चींटी • कहानी पर कार्यः सहज–1, पाठ 11 • कहानी पर कार्यः कलरव–1, पाठ 9 (दो दिन)					आकलन एवं पुनरावृत्ति

5	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत/छोटी स्थानीय कहानी/मौखिक खेल गतिविधि (प्रतिदिन) • चित्र चार्ट पर चर्चाः होली • कविताः कलरव–1, पाठ 1 • कहानी पर कार्यः सहज–1, पाठ 12 • चित्र पर चर्चाः कलरव–1, पाठ 8 • कहानी पोस्टरः रामसहाय की साइकिल	आकलन एवं पुनरावृत्ति
6	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत/छोटी स्थानीय कहानी/मौखिक खेल गतिविधि (प्रतिदिन) • कहानी पोस्टरः दो चींटी • चित्र चार्ट पर चर्चाः नदी • कहानी पर कार्यः सहज–1, अतिरिक्त पाठः ऊँट पर साँप • कहानी पर कार्यः कलरव–1, पाठ 14 (दो दिन)	आकलन एवं पुनरावृत्ति
7	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत/छोटी स्थानीय कहानी/मौखिक खेल गतिविधि (प्रतिदिन) • कविता पोस्टरः अलमारी • चित्र चार्ट पर चर्चाः बाजार • कहानी पर कार्यः सहज–1, अतिरिक्त पाठः हाथी आया गाँव में • चित्र पर चर्चाः कलरव–1, पाठ 12 • कहानी पोस्टरः पतंग और बकरी	आकलन एवं पुनरावृत्ति
8	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत/छोटी स्थानीय कहानी/मौखिक खेल गतिविधि (प्रतिदिन) • चित्र चार्ट पर चर्चाः बरसात • कविताः कलरव–1, पाठ 7 • कहानी पर कार्यः सहज–1, अतिरिक्त पाठः चूहा और हाथी • कहानी पर कार्यः कलरव–1, पाठ 18 (दो दिन)	आकलन एवं पुनरावृत्ति

नोटः उपर्युक्त गतिविधियों पर कैसे कार्य किया जाएगा इसकी जानकारी एवं कार्ययोजना के विस्तृत चरण, इस संदर्शिका के भाग–3 में दिए गए हैं। इसके साथ ही, अगले पाठ, दैनिक शिक्षण योजना में भी इससे संबंधित चर्चा की गई है।

8. द्वितीय एवं तृतीय कालांश (डिकोडिंग) की साप्ताहिक कार्य योजना : सप्ताह 1–8

नीचे दी गई तालिका में डिकोडिंग की साप्ताहिक योजना दी गई है। इसे कलरव–1 एवं कार्यपुस्तिका को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है।

सप्ताह	दिवस 1	दिवस 2	दिवस 3	दिवस 4	दिवस 5	दिवस 6
1	इस सप्ताह में प्रिंट से परिचय, ध्वनि चेतना एवं लेखन–पूर्व अभ्यास पर कार्य किया जाना प्रस्तावित है। आकलन एवं पुनरावृत्ति पर इस सप्ताह कोई कार्य नहीं किया जाएगा। परंतु, सप्ताह 2 से लेकर सप्ताह 8 तक, प्रति सप्ताह, आकलन एवं पुनरावृत्ति की योजना प्रस्तावित है।					
2	अ	आ	इ	ई	उ, ऊ	आकलन एवं पुनरावृत्ति
3	क	ख	ग	घ	मात्रा आ	आकलन एवं पुनरावृत्ति
4	च	छ	ज	झ	मात्रा इ	आकलन एवं पुनरावृत्ति
5	ट	ठ	ड	ढ	मात्रा ई	आकलन एवं पुनरावृत्ति
6	त	थ	द	ध	मात्रा ऊ	आकलन एवं पुनरावृत्ति
7	न	प	फ	ब	मात्रा ओ	आकलन एवं पुनरावृत्ति
8	शब्द पठन का अभ्यास	शब्द पठन का अभ्यास	शब्द पठन का अभ्यास	शब्द पठन का अभ्यास	शब्द पठन का अभ्यास	आकलन एवं पुनरावृत्ति

नोटः ध्वनि चेतना पर कार्य हर सप्ताह किया जाएगा जिसका अनुमानित समय करीबन 5–10 मिनट का होगा। सप्ताह 1 से 5 में डिकोडिंग (कालांश–2) की शुरुआत इस पर कार्य करने से होगी। बाद में वर्ण और मात्रा पहचान के पहले चरण में जिस प्रकार ध्वनि चेतना पर कार्य किया जाता है वैसे ही कार्य किया जाएगा। इस पर आगे विस्तार से बातचीत की गई है।

E5U9X9

9. दैनिक शिक्षण योजनाः सप्ताह 1–8

इस 8 सप्ताह के कार्यक्रम में शिक्षकों को दो तरह के शिक्षण कार्य करने हैं।

1. मौखिक भाषा विकास से जुड़े कार्य : प्रथम कालांश में

2. डिकोडिंग कौशल पर कार्य : द्वितीय और तृतीय कालांश में

इन तीनों कलांशों में शिक्षक व्यवस्थित और प्रभावी तरीके से कार्य कर पाएँ, इसके लिए दैनिक शिक्षण योजना तैयार की गई है। आगे एक तालिका के रूप में यह योजना दी गईं है। आइए, इस योजना को पहले विस्तार से समझते हैंः

- इस शिक्षण योजना को सप्ताह के 6 दिन क्रियान्वित किया जाना है, इसलिए इसे सप्ताहवार प्रस्तुत किया गया है।

- शिक्षण योजना को दो अलग–अलग खानों में शामिल किया गया हैः मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग।

- इस योजना में संक्षिप्त में यह बताया गया है कि आप किसी एक दिन कौनसी गतिविधियाँ करेंगे एवं गतिविधियों को कक्षा में क्रियान्वित करने के लिए कौन सी सामग्री का उपयोग किया जाएगा। सभी गतिविधियों को बेहतर तरीके से बच्चों के साथ किए जाने के लिए यह प्रस्तावित है कि शिक्षक एक दिन पहले ही यह तालिका एवं शिक्षण योजना देख लें और आवश्यकता अनुसार सभी शिक्षण सामग्री पहले से ही तैयार रखें।

- किसी गतिविधि को कैसे आयोजित किया जाए इसके लिए इस तालिका के अंत में यानी आठवें सप्ताह के बाद, भाग 3, 10 *'मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग की गतिविधियों का विवरण'*, पृष्ठ 31–35 में विस्तृत जानकारी दी गई है। आप पहले इन गतिविधियों को अच्छी तरह समझ लें। इस कार्यक्रम के प्रशिक्षण में भी इन पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

- प्रथम कालांश में शुरुआत के 5–7 मिनट का समय बच्चों के साथ बालगीत/छोटी स्थानीय कहानी/मौखिक खेल गतिविधि के लिए रखा गया है ताकि शिक्षण से पूर्व बच्चे सहज महसूस कर सकें और कक्षा में सौहार्दपूर्ण वातावरण का निर्माण हो सके। इसे हम कक्षा में 'अनुकूल वातावरण बनाने के लिए गतिविधियाँ' कह रहे हैं। जब भी आपको ऐसा लगे कि बच्चों का जुड़ाव भाषा शिक्षण की गतिविधियों से कम हो रहा है तो बीच–बीच में 2–3 मिनट के लिए भी यह गतिविधियाँ करवा सकते हैं।

- गतिविधियों के दौरान सभी बच्चों की सक्रिय सहभागिता पर ध्यान दें। जिन बच्चों को कक्षा की गतिविधियों में हिस्सा लेने में कठिनाई हो रही है, उनसे अलग से बात करें और उनका प्रोत्साहन करें।

- बच्चे अपने घर की भाषा का उपयोग बातचीत करने में एवं कक्षा में हो रही गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए कर सकते हैं, यह स्वभाविक है। बच्चों को अपने घर की भाषा में बातचीत करने से न रोके और इसे कक्षा में हो रही चर्चाओं और शिक्षण प्रक्रिया में संसाधन के रूप में प्रयोग करें।

सप्ताह 1		
इस हफ्ते की शिक्षण सामग्री : कलरव–1, सहज–1, आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (भाषा) 2020–2021, चित्र चार्ट, कविता और कहानी पोस्टर		
दिन	**मौखिक भाषा विकास (कालांश 1)**	**डिकोडिंग (कालांश 2 और 3)**
1	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत (5–7 मिनट) • चित्र चार्ट पर चर्चाः खेत (25–30 मिनट) (भाग 3, 10 *मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग की गतिविधियों का विवरण* वाले पाठ में चित्र पर चर्चा पर चरणबद्ध तरीके से कैसे कार्य करना है, इस पर विस्तृत बातचीत की गई है।)	**प्रिंट से परिचय (25–30 मिनट):** शिक्षक द्वारा बच्चों का समूह बनाकर कहानी की किताबों या सहज–1 को देखने एवं पढ़ने का अभिनय करने और उलटने–पलटने के अवसर प्रदान करें। फिर सभी बच्चों के साथ किताबों एवं चित्रों पर बातचीत करें। **ध्वनि चेतना (10–15 मिनट):** शिक्षक बच्चों को विभिन्न प्रकार की आवाज़ों जैसे घंटी, जानवरों की बोली, इत्यादि की पहचान की गतिविधि कराएँगे। **लेखन–पूर्व अभ्यास (15–20 मिनट):** बच्चों को पेंसिल से अपनी पसंद का कोई भी चित्र बनाने और उसमें रंग भरने को कहें। फिर हर एक बच्चे से उनके द्वारा बनाएँ गए चित्र पर बातचीत/चर्चा करें।
2	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी (5–7 मिनट) • कविता पोस्टरः काशीफल (25–30 मिनट) (भाग 3, 10 मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग की गतिविधियों का विवरण वाले पाठ में कविता पोस्टर पर चरणबद्ध तरीके से कैसे कार्य करना है, इस पर विस्तृत बातचीत की गई है।)	**प्रिंट से परिचय (25–30 मिनट):** शिक्षक द्वारा बच्चों का समूह बनाकर कहानी की किताबों या सहज–1 को देखने एवं पढ़ने का अभिनय करने और उलटने–पलटने के अवसर प्रदान करें। फिर सभी बच्चों के साथ किताबों एवं चित्रों पर बातचीत करें। इसके लिए कलरव–1 एवं सहज–1 का उपयोग करें। **ध्वनि चेतना (10–15 मिनट):** शिक्षक बच्चों के साथ 7–8 तुकांत शब्द बनवाएँ। पहले शिक्षक कुछ शब्दों के तुकांत बनाकर दिखाएँ और फिर बच्चों से बनाने को कहें, जैसे– काला, माला, नाला....। इससे संबंधित बातचीत इस संदर्शिका के भाग 3, 10 *'मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग की गतिविधियों के विवरण'* में की गई है। **लेखन–पूर्व अभ्यास (15–20 मिनट):** बच्चों को पेंसिल से अपनी पसंद का कोई भी चित्र बनाने और उसमें रंग भरने को कहें। फिर हर एक बच्चे से उनके द्वारा बनाएँ गए चित्र पर बातचीत/चर्चा करें। कार्यपुस्तिका के पृष्ठ– 6 पर कार्य करें।
3	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि (5–7 मिनट)	**प्रिंट से परिचय (15–20 मिनट):** शिक्षक बच्चों के खाने की मनपसंद चीज़ों को पूछें और उन पर चर्चा करें।

	• कहानी पर कार्यः सहज–1, पाठ 4 (25–30 मिनट) (भाग 3, 10 *मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग की गतिविधियों का विवरण* वाले पाठ में सहज–1 के पाठों पर चरणबद्ध तरीके से कैसे कार्य करना है, इस पर विस्तृत बातचीत की गई है।)	फिर बच्चों के इन चीज़ों के नाम को बोर्ड पर लिखकर दिखाएँ और फिर बच्चों को अपनी–अपनी मनपसंद चीजें पहचानने को कहें। बच्चों की मदद के लिए आप चीज़ों के सामने उनके चित्र भी बनाकर दिखा सकते हैं। **ध्वनि चेतना (10–15 मिनट):** दूसरे दिन की तरह ही आज भी बच्चों के साथ तुकांत शब्दों पर कार्य करें। **लेखन–पूर्व अभ्यास (25–30 मिनट):** बच्चों को बोर्ड पर कार्यपुस्तिका के पृष्ठ 7–10 पर कार्य करने को कहें। उदाहरण देकर समझाएँ कि कार्य कैसे करना है। जब बच्चे कार्य कर रहें हो तो घूम–घूमकर उनके कार्य का अवलोकन करें और ज़रूरी मदद प्रदान करें।
4	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत (5–7 मिनट) • चित्र पर चर्चाः कलरव–1, पाठ–2 (25–30 मिनट)	**प्रिंट से परिचय (15–20 मिनट):** शिक्षक बच्चों के मनपसंद खिलौने के बारे में चर्चा करें। फिर बच्चों के इन चीज़ों के नाम को बोर्ड पर लिखकर दिखाएँ और फिर बच्चों को अपने अपने मनपसंद चीजें पहचानने को कहें। फिर साथ–साथ पढ़ें। आप चित्र भी बनाकर दिखा सकते हैं। **ध्वनि चेतना (15–20 मिनट):** **तुकांत शब्दों पर कार्य करें** **वाक्य में शब्द की पहचान करनाः** बच्चों को 3 और 4 शब्दों वाले कुछ वाक्य दें। प्रत्येक शब्द के साथ ताली बजाएँ और फिर उन शब्दों की गिनती करें। *इससे संबंधित बातचीत अगले पाठ में की गई है।* **लेखन–पूर्व अभ्यास (15–20 मिनट):** कार्यपुस्तिका के पृष्ठ– 11–12 पर कार्य करें। कार्यपुस्तिका पर जब बच्चे कार्य कर रहे हैं तो इससे पहले दिन में जैसे कार्य किया गया है, ठीक कैसे ही करें और इसे आगे भी जारी रखें।
5	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी (5–7 मिनट) • कहानी पोस्टरः मेंढक का गाना (25–30 मिनट) (भाग 3, 10 *मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग की गतिविधियों का विवरण* वाले पाठ में कहानी पोस्टर पर चरणबद्ध तरीके से कैसे कार्य करना है, इस पर विस्तृत बातचीत की गई है।)	**प्रिंट से परिचय (15–20 मिनट):** सप्ताह के तीसरे एवं चौथे दिन में किए गए प्रिंट से परिचय की गतिविधियों को फिर से अभ्यास की तरह कराएँ। **ध्वनि चेतना (15–20 मिनट):** तुकांत शब्द एवं वाक्यों में शब्द पहचान पर कार्य। **शब्द में ध्वनि को पहचाननाः** बच्चों को 2–3 अक्षर वाले शब्द बोलें। प्रत्येक अक्षर की ध्वनि को अलग–अलग बोलें और फिर जोड़कर शब्द की तरह बोलें। जैसे– ताला– ता, ला....ताला...ता..ला। 4–5 शब्दों के साथ यह अभ्यास करवाएँ। *इस पर अगले पाठ में बतचीत की गई है।*

		लेखन–पूर्व अभ्यास (25–30 मिनट): कार्यपुस्तिका के पृष्ठ 13–17 पर कार्य करें।
6	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि (5–7 मिनट) • कविता पोस्टर: काशीफल एवं कहानी पोस्टर: मेंढक का गाना पर फिर से अभ्यास कार्य (25–30 मिनट)	**प्रिंट से परिचय (15–20 मिनट):** इससे पहले दिन की ही तरह आज भी अभ्यास कार्य करवाएँ। आज शून्य सप्ताह के पाँचवे और छठे दिन कराए गए लेबेलिंग एवं प्रिंट से परिचय के कार्य की भी पुनरावृत्ति कराएँ। **ध्वनि चेतना (15–20 मिनट):** ध्वनि चेतना से जुड़े हुए तुकांत शब्दों, वाक्यों में शब्द पहचान और शब्द की ध्वनि पहचान पर कार्य करें। **शब्द की प्रथम ध्वनि को पहचानना :** परिचित शब्दों की मदद से शब्द की प्रथम ध्वनि की मौखिक पहचान करवाएँ। इससे संबंधित बातचीत अगले पाठ में की गई है। **लेखन–पूर्व अभ्यास (55–60 मिनट):** कार्यपुस्तिका के पृष्ठ– 18, 20 पर कार्य करें।

नोट: डिकोडिंग एवं मौखिक भाषा विकास की विभिन्न गतिविधियों पर कैसे कार्य किया जाना है, इन पर आगे विस्तार से एवं चरणबद्ध तरीके से बातचीत की गई है। किसी भी गतिविधि को कक्षा में बच्चों के साथ करने के पहले इनके प्रस्तावित चरणों को पढ़ें और इनका क्रियान्वयन करें। सप्ताह–2–5 में प्रतिदिन कालांश–2 की शुरूआत के 5–10 मिनट ध्वनि चेतना पर कार्य करवाएँ जिसके अंतर्गत तुकांत शब्दों, वाक्यों में शब्द पहचान, शब्द की ध्वनि पहचान एवं प्रथम ध्वनि पहचान पर कार्य किया जाएगा।

सप्ताह 2		
इस हफ्ते की शिक्षण सामग्री : कलरव–1, सहज–1, आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (भाषा) 2020–2021, चित्र चार्ट, कविता और कहानी पोस्टर		
दिन	**मौखिक भाषा विकास (कालांश 1)**	**डिकोडिंग (कालांश 2 और 3)**
1	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत (5 से 7 मिनट) • चित्र चार्ट पर चर्चा: खेल (25–30 मिनट)	**ध्वनि चेतना (5–10 मिनट):** ध्वनि चेतना से जुड़े हुए तुकांत शब्दों, वाक्यों में शब्द पहचान और शब्द की ध्वनि पहचान एवं प्रथम ध्वनि पहचान पर कार्य करें। **वर्ण पहचान पर कार्य (40 मिनट):** • सबसे पहले अनार लिखें और इसके वर्णों का अलग–अलग उच्चारण करें। पहले ध्वनि 'अ' की पहचान करवाएँ। इसके बाद 'अ' से शुरू होने वाले कुछ और शब्दों को लिखकर उन्हें तोड़–तोड़ कर पढ़ें और पहली ध्वनि का अभ्यास करवाएँ। • 'अनार' को बोर्ड पर लिखे और उसकी पहली आवाज़ के प्रतीक पर घेरा लगाएँ। फिर 'अ' को अलग से बोर्ड पर लिखकर 4–5 बार उच्चारण करें।

		• बोर्ड पर लिखे 'अ' से शुरू होने वाले बाकी शब्दों में भी 'अ' पर घेरा लगाएँ। • बच्चों को कक्षा में प्रदर्शित सामग्रियों और कलरव–1, पेज 22 व कार्य पुस्तिका का पेज 24 आदि से 'अ' ढूँढकर बताने को कहें। • अलग–अलग तरीके से बच्चों द्वारा 'अ' के लेखन का अभ्यास (कॉपी और कार्य पुस्तिका 1 के पूर्ण) करवाएँ जैसे– हवा में 'अ' बनाना, अपनी हथेली पर, जमीन पर आदि। **लेखन कार्य (10–15 मिनट):** • अंत में कॉपी और कार्य पुस्तिका 1 में 'अ' से संबंधित लेखन का कार्य कराएँगे। भाग 3, पाठ 10 में वर्ण पहचान पर कैसे कार्य करना है, इसका चरणबद्ध विवरण दिया गया है।
2	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी (5 से 7 मिनट) • कहानी पोस्टरः भालू और मदारी (25–30 मिनट)	**ध्वनि चेतना (5–10 मिनट):** ध्वनि चेतना से जुड़े हुए तुकांत शब्दों, वाक्यों में शब्द पहचान और शब्द की ध्वनि पहचान पर कार्य करें। **वर्ण पहचान पर कार्य (40 मिनट):** • आम को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज़ पर चाक से घेरा लगाएँ। 'आ' को अलग से बोर्ड पर लिखकर 3–4 बार उच्चारण करें। • बच्चों से 'आ' की आवाज़ से शुरू होने वाले शब्द/नाम पूछकर बोर्ड पर लिखें जैसे– आलू, आज़ाद, आग आदि। • बच्चों को कक्षा में प्रदर्शित सामग्रियों तथा कलरव के पेज–22 व कार्य पुस्तिका के पेज 24 आदि से ढूँढकर बताने को कहें। **लेखन कार्य (10–15 मिनट):** • अंत में बच्चों से कॉपी और कार्य पुस्तिका में लेखन कार्य कराएँगे। लेकिन उसके पहले हवा में 'आ' बनाने, अपने हथेली पर, जमीन पर आदि लिखने के मौके दें। • फिर, जिन शब्दों मे 'अ' एवं 'आ' आया है, उनका मिलान बोर्ड पर लिखकर कराएँ– 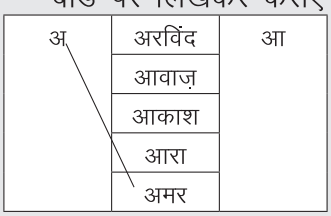

3	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि (5 से 7 मिनट) • कहानी पर कार्यः सहज–1, पाठ 5 (25–30 मिनट)	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10 मिनट)** **वर्ण पहचान पर कार्य (40 मिनट):** • 'इ' की ध्वनि की पहचान की गतिविधि करें। • इमली को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली ध्वनि पर घेरा लगाएँ। फिर बड़ा सा 'इ' बोर्ड पर लिखकर 3–4 बार उच्चारण करें। • बच्चों को 'इ' से बनने वाले शब्द को पूछकर बोर्ड पर लिखे जैसे– इलाइची, इज़्ज़त, इकतारा आदि। • बच्चों को कक्षा में प्रदर्शित सामग्री और कलरव–1, पेज 22 व कार्य पुस्तिका के पेज 24 से ढूँढकर बताने को कहें। **लेखन कार्य (10–15 मिनट):** • बच्चों को 'इ' को कार्य पुस्तिका पर कार्य कराने से पहले पूर्व की तरह ही अलग–अलग तरीके से लिखना सिखाएँ। • अंत में कॉपी और कार्य पुस्तिका 1 में लेखन का कार्य कराएँगे।
4	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत (5 से 7 मिनट) • कविता पर कार्यः कलरव–1, पाठ 1 (पहला दिन) (25–30 मिनट) (भाग 3, 10 *मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग की गतिविधियों का विवरण* वाले पाठ में कलरव–1 के पाठ (दो दिन की योजना) पर चरणबद्ध तरीके से कैसे कार्य करना है, इस पर विस्तृत बातचीत की गई है।)	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10 मिनट):** **वर्ण पहचान पर कार्य (40 मिनट):** • 'ई' की ध्वनि की पहचान की गतिविधि करें। • ईख को बोर्ड पर लिखकर उसकी पहली ध्वनि पर घेरा लगाएँ। फिर 'ई' को बोर्ड पर लिखकर 3–4 बार उच्चारण करें। • बच्चों को 'ई' से बनने वाले शब्द को पूछकर बोर्ड पर लिखे जैसे– ईंट, ईमानदार, ईद आदि। • बच्चों को कक्षा में प्रदर्शित सामग्रियों और कलरव–1, पेज 22 व कार्य पुस्तिका का पेज 24 से 'ई' ढूँढकर बताने को कहें। **लेखन कार्य (10–15 मिनट):** • बच्चों को 'ई' को पूर्व की तरह विभिन्न तरीके से लिखना सिखाएँ। • अंत में कॉपी और कार्य पुस्तिका पर अभ्यास/लेखन कार्य कराएँ। • फिर जिन शब्दों में 'इ' एवं 'ई' आया है उनका मिलान बोर्ड पर लिखकर कराएँ। 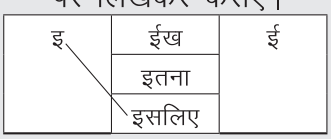

5	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी (5 से 7 मिनट) • कविता पर कार्यः कलरव–1, पाठ 4 (दूसरा दिन) (25–30 मिनट) (भाग 3, 10 *मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग की गतिविधियों का विवरण* वाले पाठ में कलरव–1 के पाठ (दो दिन की योजना) पर चरणबद्ध तरीके से कैसे कार्य करना है, इस पर विस्तृत बातचीत की गई है।)	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10 मिनट):** **वर्ण पहचान पर कार्य (40 मिनट):** • 'उ' की ध्वनि की पहचान की गतिविधि करें। • 'उल्लू' शब्द को बोर्ड पर लिखकर उसकी पहली ध्वनि पर घेरा लगाएँ। फिर 'उ' को अलग से बोर्ड पर लिखकर 4–5 बार उच्चारण करें। • शिक्षक 'उ' की आवाज़ वाले शब्द/नाम बोर्ड पर लिखे– उल्टा, उसका, उतरना आदि। • बच्चों को कक्षा में प्रदर्शित सामग्रियों और कलरव–1, पेज 23 व कार्य पुस्तिका का पेज 24 से 'उ' ढूँढकर बताने को कहें। • अलग–अलग तरीके से बच्चों को लेखन का अभ्यास कराएँ। • ऊन शब्द को बोर्ड पर लिखकर उसकी पहली ध्वनि पर गोला लगाएँ। फिर 'ऊ' को अलग से बोर्ड पर लिखकर 4–5 बार उच्चारण करें। • शिक्षक 'ऊ' से बनने वाले शब्द/नाम को बोर्ड पर बच्चों की सहायता से पूछ कर लिखे जैसे– ऊपर, ऊँट, ऊसर आदि। • कलरव–1, पेज–23 पर कार्य करवाएँ। **लेखन कार्य (10–15 मिनट):** • अंत में 'कलरव' व कार्य पुस्तिका में लेखन कार्य कराएँ। • सप्ताह– 2, दूसरे दिन में आखिर में जिस प्रकार से मिलन करें की गतिविधि बताई गई थी, ठीक उसकी प्रकार से 'उ' एवं 'ऊ' के शब्दों के साथ, मिलान की गतिविधि कराएँ।
6	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि (5 से 7 मिनट) • आकलन एवं पुनरावृत्तिः (25–30 मिनट) इस सप्ताह के चित्र चार्ट– 'खेल' पर आकलन का कार्य करवाएँ। इस पर कार्य कैसे करवाना इसका विवरण पाठ 12 में दिया गया है।	**आकलन एवं पुनरावृत्ति** • अ, आ, इ, ई, उ, ऊ की पहचान कर पा रहे हैं, इसे देखना है, इसके लिए बड़े पेपर पर ये सारे वर्ण लिखकर बच्चों से बारी–बारी से इनका पहचान करवाएँ। • शिक्षक ऐसे बच्चों को ऐसे नाम बताने को कहें जिनके नाम में अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, की आवाज़ आती हो। • शिक्षक पेपर पर उपरोक्त ध्वनियों से बनने वाले बहुत सारे शब्द/नाम लिखें जैसे– इमरती, ईश्वर, उजाला, आलू, ऊपर, अज़गर आदि। • बच्चों से उपरोक्त शब्दों/नामों की पहली ध्वनि को पहचानने को कहें।

		• इन वर्णों को बच्चों को अपनी कॉपियों में लिखने को कहें। आप बारी–बारी से कहें और बच्चे लिखें। इस लेखन के आधार पर भी पुनरावृत्ति पर कार्य करें। • जो बच्चे वर्ण पहचान पा रहे हैं उन्हें अलग से लेखन कार्य (कॉपी/कार्यपुस्तिका में दें) और जो बच्चे पीछे छूटे हुए हैं उन्हें छोटे समूहों में बाँटे और उनके साथ ठीक वैसे ही वर्ण पहचान पर कार्य कराएँ जैसा पहले किया था।

नोटः मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग से संबंधित आकलन की प्रक्रिया कक्षा में कैसे करवाई जाएगी, इस पर भाग 3, पाठ 12– साप्ताहिक आकलन एवं पुनरावृत्ति पर बातचीत की गई है। सप्ताह 3 से आकलन एवं पुनरावृत्ति पर कैसे कार्य किया जाना है, इस पर बहुत संक्षेप में बातचीत की जाएगी।

सप्ताह 3

इस हफ्ते की शिक्षण सामग्री : कलरव–1, सहज–1, आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (भाषा) 2020–2021, चित्र चार्ट, कविता और कहानी पोस्टर

दिन	मौखिक भाषा विकास (कालांश 1)	डिकोडिंग (कालांश 2 और 3)
1	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चाः मेला	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10 मिनट)** **वर्ण पहचान पर कार्य (40 मिनट):** • 'क' वर्ण के पहचान पर प्रस्तावित योजना के अनुसार कार्य करें। **लेखन कार्य (10–15 मिनट):** • अलग–अलग तरीके से बच्चों द्वारा 'क' के लेखन का अभ्यास (कॉपी और कार्य पुस्तिका 1 के पूर्व) करवाएँ। जैसे– अपनी उँगली से हवा में लिखो, जमीन/रेत पर लिखो आदि। • कलरव पेज 25 कार्य पुस्तिका का पेज 27 पर कार्य। • इसी प्रकार से एक अनुक्रमिक ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और बच्चों को 'क' वर्ण की पहचान करने को कहें जैसे– गकघख खगघक • अंत में इससे संबंधित लेखन कार्य कॉपी या कार्य पुस्तिका 1 में करवाएँ।
2	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी • कविता पोस्टरः बरसात	• 'ख' वर्ण के पहचान पर प्रस्तावित योजना के अनुसार कार्य करें। • कलरव–1, पेज 25 कार्य पुस्तिका 1, पेज 27 पर कार्य करवाएँ/कॉपी में भी कार्य दें।

<table>
<tr><td>3</td><td>• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि
• कहानी पर कार्यः सहज–1, पाठ 9</td><td>ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):
• 'ग' वर्ण के पहचान पर प्रस्तावित योजना के अनुसार कार्य करें।
• कलरव–1, पेज 25 कार्य पुस्तिका 1, पेज 27 के साथ–साथ कॉपी में भी लेखन कार्य करवाएँ।</td></tr>
<tr><td>4</td><td>• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत
• चित्र पर चर्चाः कलरव–1, पाठ 3</td><td>ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):
• 'घ' वर्ण के पहचान पर प्रस्तावित योजना के अनुसार कार्य करें।
• कलरव–1, पेज 25 कार्य पुस्तिका 1, पेज 27 के साथ–साथ कॉपी में भी लेखन कार्य करवाएँ।</td></tr>
<tr><td>5</td><td>• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी
• कविता पोस्टरः हाथी</td><td>ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):
• 'क' और 'ख' वर्ण के पहचान पर प्रस्तावित योजना के अनुसार कार्य करें। कुछ ऐसे शब्द भी लिखें जिनमे आ की मात्रा लगी हो, प्रथम ध्वनि की पहचान करवाएँ।
• बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखे और उसका उच्चारण करें। अब इस वर्ण में 'आ' की मात्रा (ा) लगाकर उच्चारण करें जैसे– 'ख' – 'खा'
• सभी 4 वर्णों को लेकर उसमें आ की मात्रा लगाकर उच्चारण करें। जैसे– ख–खा, ग–गा, घ–घा आदि।
• सिखाए गए 4 वर्णों और 'आ' की मात्रा (ा) से एक क्रमिक ग्रिड बोर्ड बनाएँ और 4–5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। नीचे क्रमिक ग्रिड में दिखाया गया हैः
<table>
<tr><td>क</td><td>का</td></tr>
<tr><td>ख</td><td>खा</td></tr>
<tr><td>ग</td><td>गा</td></tr>
<tr><td>घ</td><td>घा</td></tr>
</table>
• फिर अनुक्रमिक ग्रिड बनाकर अभ्यास कराएँ।
<table>
<tr><td>का</td><td>घ</td><td>गा</td><td>क</td></tr>
<tr><td>खा</td><td>ग</td><td>घा</td><td>का</td></tr>
<tr><td>रा</td><td>क</td><td>गा</td><td>घ</td></tr>
<tr><td>घा</td><td>ग</td><td>ख</td><td>खा</td></tr>
</table>
मात्रा पहचान पर व्यवस्थित रूप से कैसे कार्य किया जाना चाहिए, यह भाग 3, पाठ–10 में विस्तार से बताया गया है।</td></tr>
<tr><td>6</td><td>• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि
• आकलन एवं पुनरावृत्तिः इस सप्ताह के चित्र चार्ट– 'मेला' से संबंधित आकलन कार्य करवाएँ।</td><td>आकलन एवं पुनरावृत्ति
• क, ख, ग, घ, और आ की मात्रा से संबंधित आकलन योजना के अनुसार करवाएँ।
• आकलन में दूसरे सप्ताह में जिन वर्णों पर काम किया गया है उन्हें भी शामिल करें।
• जो बच्चे इन वर्णों और मात्रा को नहीं पहचान पा रहे हों उनके साथ अलग से पुनरावृत्ति पर कार्य करें। (सप्ताह 2 की तरह)</td></tr>
</table>

सप्ताह 4		
इस हफ्ते की शिक्षण सामग्री : कलरव–1, सहज–1, आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (भाषा) 2020–2021, चित्र चार्ट, कविता और कहानी पोस्टर		
दिन	**मौखिक भाषा विकास (कालांश 1)**	**डिकोडिंग (कालांश 2 और 3)**
1	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चाः दंगल	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):** • 'च' वर्ण के पहचान पर प्रस्तावित योजना के अनुसार कार्य करें।
2	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी • कविता पोस्टरः चींटी	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):** • 'छ' वर्ण के पहचान पर प्रस्तावित योजना के अनुसार कार्य करें। • कलरव पेज 26, कार्य पुस्तिका पेज 28 और कॉपी में लेखन का अभ्यास करवाएँ।
3	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि • कहानी पर कार्यः सहज–1, पाठ 11	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):** • 'ज' वर्ण के पहचान पर प्रस्तावित योजना के अनुसार कार्य करें। • कलरव पेज 26, कार्य पुस्तिका पेज 28 और कॉपी में लेखन का अभ्यास करवाएँ।
4	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत • कहानी पर कार्यः कलरव–1, पाठ 9 (पहला दिन)	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):** • 'झ' वर्ण के पहचान पर प्रस्तावित योजना के अनुसार कार्य करें। • कलरव पेज 26, कार्य पुस्तिका पेज 28 और कॉपी में लेखन का अभ्यास करवाएँ।
5	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी • कहानी पर कार्यः कलरव–1, पाठ 9 (दूसरा दिन)	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):** • 'इ' की मात्रा लगाकर शब्द बनाएँ और उनके प्रथम ध्वनि की पहचान करवाएँ। • पहले की ही तरह मात्रा पहचान पर चरणबद्ध तरीके से कार्य करें। • कुछ अन्य वर्ण लेकर उसमें 'ि' की मात्रा लगाकर उच्चारण करें जैसे– 'ख'–'खि', 'ज'–'जि' आदि। • सिखाए गए 5–7 वर्ण और 'ि' की मात्रा से एक क्रमिक ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4–5 बार उच्चारण करके दिखाएँ। • इसी प्रकार से एक अनुक्रमिक ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और बच्चों को वर्ण एवं अक्षर की पहचान करने को कहें। • अंत में इससे संबंधित लेखन कार्य कॉपी और कार्य पुस्तिका 1 में करवाएँ।

6	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि • आकलन एवं पुनरावृत्तिः इस सप्ताह के चित्र चार्ट– 'दंगल' पर आकलन का कार्य करवाएँ।	**आकलन एवं पुनरावृत्ति** • च, छ, ज, झ, और इ की मात्रा से संबंधित आकलन प्रस्तावित योजना के अनुसार करवाएँ। • पिछले हफ्तों में किये गए वर्णों और मात्राओं की पहचान के लिए भी आकलन करें • पूर्व के सप्ताहों की तरह ही पुनरावृत्ति पर कार्य करें।

सप्ताह 5

इस हफ्ते की शिक्षण सामग्री : कलरव–1, सहज–1, आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (भाषा) 2020–2021, चित्र चार्ट, कविता और कहानी पोस्टर

दिन	मौखिक भाषा विकास (कालांश 1)	डिकोडिंग (कालांश 2 और 3)
1	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चाः होली	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):** • 'ट' वर्ण की पहचान पर कार्य करें। • बच्चों को 'कलरव' के पेज–27 तथा कार्य पुस्तिका के पेज 28 आदि से ढूँढ़कर बताने को कहें। • बच्चों को कार्य पुस्तिका 1 कलरव में अभ्यास/लेखन कार्य कराएँ।
2	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी • कविताः कलरव– 1, पाठ 1	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):** • 'ठ' वर्ण की पहचान पर कार्य करें। • बच्चों से कलरव के पेज–27 तथा कार्य पुस्तिका के पेज 28 पर ढूँढ़कर बताने को कहें। • बच्चों को कार्य पुस्तिका 1 कलरव में अभ्यास/लेखन कार्य कराएँ।
3	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि • कहानी पर कार्यः सहज–1, पाठ 12	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):** • 'ड' वर्ण की पहचान पर कार्य करें। • बच्चों को कलरव के पेज–27 तथा कार्य पुस्तिका के पेज 29 से ढूँढ़कर 'ड' की पहचान कराएँ। • अंत में बच्चों से कलरव और कार्य पुस्तिका के अभ्यास कार्य कराएँ।
4	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत • चित्र पर चर्चाः कलरव–1, पाठ 8	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):** • 'ढ' वर्ण की पहचान पर कार्य करें। • बच्चों से कलरव के पेज–27 तथा कार्य पुस्तिका के पेज 29 से ढूँढ़कर 'ढ' की पहचान कराएँ। • अंत में बच्चों से कलरव और कार्य पुस्तिका के अभ्यास कार्य कराएँ।
5	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी • कहानी पोस्टरः रामसहाय की साइकिल	**ध्वनि चेतना पर कार्य (5–10):** • ट, ठ, ड, ढ के वर्ण पहचान की गतिविधि करें। • 'ई' की मात्रा 'ी' पहचान पर कार्य करवाएँ। • बच्चों से कलरव के पेज–27 तथा कार्य पुस्तिका के पेज 29 से ढूँढ़कर 'ढ' की पहचान कराएँ। • अंत में बच्चों से कलरव और कार्य पुस्तिका के अभ्यास कार्य कराएँ।

6	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि • आकलन एवं पुनरावृत्तिः इस सप्ताह के चित्र चार्ट– 'होली' पर आकलन का कार्य करवाएँ।	**आकलन एवं पुनरावृत्ति** • 'ट', 'ठ', 'ड', 'ढ' में ' ी' की मात्रा से संबंधित आकलन प्रस्तावित योजना के अनुसार करवाएँ। • 'अ' से लेकर 'ढ' तक वर्णों और अब तक की गयी मात्राओं पर अभ्यास करवाएँ।

सप्ताह 6		
इस हफ्ते की शिक्षण सामग्री : कलरव–1, सहज–1, आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (भाषा) 2020–2021, चित्र चार्ट, कविता और कहानी पोस्टर		
दिन	**मौखिक भाषा विकास (कालांश 1)**	**डिकोडिंग (कालांश 2 और 3)**
1	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चाः नदी	• 'त' वर्ण की पहचान पर कार्य करें। • कलरव–28, कार्य पुस्तिका– 29 से 'त' की पहचान पर कार्य करें। • अंत में कॉपी और कार्य पुस्तिका 1 में लेखन का कार्य कराएँ।
2	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी • कहानी पोस्टरः दो चींटी	• 'थ' वर्ण की पहचान पर कार्य करें। • कलरव– 28, कार्य पुस्तिका– 29 से 'थ' की पहचान पर कार्य करें। • अंत में कॉपी और कार्य पुस्तिका 1 में लेखन का कार्य कराएँ।
3	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि • कहानी पर कार्यः सहज–1, अतिरिक्त पाठः ऊंट पर साँप	• 'द' वर्ण की पहचान पर कार्य करें। • कलरव– 28, कार्य पुस्तिका– 29 से 'द' की पहचान पर कार्य करें। • 'द' के लेखन का अभ्यास। • अंत में कॉपी और कार्य पुस्तिका 1 में लेखन का कार्य कराएँ।
4	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत • कहानी पर कार्यः कलरव–1, पाठ 14 (पहला दिन)	• त, थ, द वर्ण पहचान पर कार्य करवाएँ। • 'ऊ' की मात्रा ' ू ' पहचान पर कार्य करवाएँ। • अंत में बच्चों से कलरव और कार्य पुस्तिका पर अभ्यास करवाएँ।
5	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी • कहानी पर कार्यः कलरव–1, पाठ 14 (दूसरा दिन)	• 'ध' वर्ण की पहचान पर कार्य करें। • कलरव पेज 28 और कार्यपुस्तिका 29 पर कार्य करवाएँ। • अंत में इससे संबंधित लेखन कार्य कॉपी और कार्य पुस्तिका 1 में करवाएँ।

6	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि • आकलन एवं पुनरावृत्तिः इस सप्ताह के चित्र चार्ट– 'नदी' से संबंधित आकलन योजना के अनुसार करवाएँ।	**आकलन एवं पुनरावृत्ति** • त, थ, द, ध, और ऊ की मात्रा से संबंधित आकलन प्रस्तावित योजना के अनुसार करवाएँ। • अब तक पढ़ाये गए वर्णों और मात्राओं की भी पहचान करवाकर आकलन करें। • आकलन के आधार पर पुनरावृत्ति पर पूर्व की तरह ही कार्य करवाएँ।

सप्ताह 7		
इस हफ्ते की शिक्षण सामग्री : कलरव–1, सहज–1, आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (भाषा) 2020–2021, चित्र चार्ट, कविता और कहानी पोस्टर		
दिन	**मौखिक भाषा विकास (कालांश 1)**	**डिकोडिंग (कालांश 2 और 3)**
1	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चाः बाजार	• 'न' वर्ण पर कार्य करें। • कलरव पेज 28 पर कार्य कराएँ और कार्यपुस्तिका से भी। • अंत में इससे संबंधित लेखन कार्य कॉपी और कार्य पुस्तिका 1 में करवाएँ।
2	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी • कविता पोस्टरः अलमारी	• 'प' वर्ण पर कार्य करें। • कलरव पेज 29, कार्यपुस्तिका और कॉपी पर कार्य करवाएँ।
3	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि • कहानी पर कार्यः सहज–1, अतिरिक्त पाठः हाथी आया गाँव में	• 'फ' वर्ण पर कार्य करें। • कलरव पेज 29, कार्यपुस्तिका और कॉपी पर कार्य करवाएँ।
4	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत • चित्र पर चर्चाः कलरव–1, पाठ 12	• 'ब' वर्ण पर कार्य करें। • कलरव पेज 29, कार्यपुस्तिका और कॉपी पर कार्य करवाएँ।
5	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी • कहानी पोस्टरः पतंग और बकरी	• 'ओ' मात्रा पहचान पर कार्य करें। • कलरव, कार्यपुस्तिका और कॉपी पर लेखन कार्य करवाएँ।

6	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि • आकलन एवं पुनरावृत्तिः इस सप्ताह के चित्र चार्ट– 'बाजार' से संबंधित आकलन योजना के अनुसार करवाएँ।	**आकलन एवं पुनरावृत्ति** • न, प, फ, ब और ओ की मात्रा से संबंधित आकलन योजना के अनुसार करवाएँ। • इस हफ़्ते शब्द पठन का भी आकलन होगा, कम से कम पाँच शब्द पहचान के लिए दें। • अब तक के सभी वर्णों और मात्राओं की पहचान करवाकर भी आकलन करें। • पुनरावृत्ति के कार्य में भी अबतक के सभी वर्णों और मात्राओं को ध्यान में रखकर काम किया जाए। *शब्द पठन से संबंधित आकलन पर कार्य कैसे करवाना इसका विवरण पाठ 12 में दिया गया है।*

सप्ताह 8

इस हफ्ते की शिक्षण सामग्री : कलरव–1, सहज–1, आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका कक्षा 1 (भाषा) 2020–2021, चित्र चार्ट, कविता और कहानी पोस्टर

दिन	मौखिक भाषा विकास (कालांश 1)	डिकोडिंग (कालांश 2 और 3)
1	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत • चित्र चार्ट पर चर्चाः बरसात	**ब्लेंडिंग पर कार्य** • बोर्ड पर दो बॉक्स बनाएँ और उनमें वर्ण/अक्षर बोलते हुए लिखें, फिर उसके सामने बड़े बॉक्स में इन दोनों वर्णों/अक्षरों से बने शब्द को लिखें। फिर पहले अलग–अलग उच्चारण करके फिर इन्हें जोड़कर उपयुक्त गति से पढ़े। ता ज ताज • फिर दूसरे शब्द के साथ भी यही चरण करें। इन दोनों वर्णों को बच्चों के साथ ऊपर की तरह जोड़ कर पढ़े। • 2–3 शब्द लें और उन्हें बोर्ड पर लिखें। फिर बच्चों को अपने साथ पढ़ने को कहें। • कुछ बच्चों को इन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें। ब्लेंडिंग पर कैसे कार्य करवाया जाना है, इसका विवरण पाठ 11 में दिया गया है। **शब्द पठन पर कार्य** • शब्द पठन पर कैसे कार्य करवाया जाना है, इसका विवरण पाठ 11 में दिया गया है।
2	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी • कविताः कलरव–1, पाठ 7	• कुछ नए शब्दों जैसे राजा, मकान, आदि के साथ पहले दिन जैसी गतिविधि करें।

3	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि • कहानी पर कार्यः सहज–1, अतिरिक्त पाठः चूहा और हाथी	• ब्लेंडिंग (वर्ण/अक्षरों को जोड़ कर पढ़ना) एवं शब्द पठन पर कार्य करें। • कलरव–1 एवं कार्य पुस्तिका 1 में दिए गए शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ। सहज–1 का भी उपयोग करें।
4	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए बालगीत • कहानी पर कार्यः कलरव–1, पाठ 18 (पहला दिन)	• ब्लेंडिंग एवं शब्द पठन पर कार्य करें।
5	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए छोटी स्थानीय कहानी • कहानी पर कार्यः कलरव–1, पाठ 18 (दूसरा दिन)	• कलरव–1 एवं कार्य पुस्तिका 1 में दिए गए शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ। सहज–1 के शुरुआती पन्नों पर को भी उपयोग में लाएँ।
6	• अनुकूल वातावरण बनाने के लिए मौखिक खेल गतिविधि • आकलन एवं पुनरावृत्तिः इस सप्ताह के चित्र चार्ट– 'बरसात' से संबंधित आकलन योजना के अनुसार करवाएँ।	**आकलन एवं पुनरावृत्ति** • इस सप्ताह वर्ण/अक्षर पर आकलन होगा। • इसके साथ ही शब्द पठन का भी आकलन किया जाएगा। हर बच्चे को कम से कम पाँच शब्द पहचान के लिए दें (मात्रिक और अमात्रिक दोनों) • आकलन के आधार पर पुनरावृत्ति पर कार्य करें।

नोट : शून्य सप्ताह और पहले सप्ताह में आकलन नहीं किया जाएगा, आकलन की शुरुआत मुख्य रूप से दूसरे सप्ताह से होगी जो आठवें सप्ताह तक चलती रहेगी।

10. मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग की गतिविधियों का विवरण

इस पाठ में कक्षा–1 में प्रस्तावित मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग के गतिविधियों पर चरणबद्ध तरीके से कैसे कार्य किया जाना है, इस पर विस्तृत चर्चा की गयी है।

मौखिक भाषा विकास

कविता पोस्टर/कलरव–1 की कविताओं पर कार्य

कविता पर निम्नवत तरीके से कार्य करें।

- शिक्षक पहले बच्चों को कविता लय के साथ गाकर सुनाएँ।
- फिर, शिक्षक कविता गाएँ व बच्चों को साथ में दोहराने के लिए कहें।
- सुनाई गई कविता के विषय से जुड़ी कोई और कविता बच्चों को याद दिलाएँ और उन्हें सुनाने को कहें। अगर कोई ऐसी कविता नहीं है तो पिछली सुनी हुई कविता उनसे सुनें।
- ऐसा 2–3 बार करें ताकि बच्चे कविता की लय और शब्दों को अच्छे से समझ पाएँ।
- कविता पर कार्य करते समय बच्चों को चित्रों और लिखे हुए शब्दों/वाक्यों को देखने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

कहानी पोस्टर/सहज–1 के पाठों पर कार्य

कहानी पोस्टर एवं सहज के पाठों पर कार्य करने का ढाँचा निम्नवत देखा जा सकता है।

- कहानी सुनाने से पहले बच्चों को कहानी का नाम बताएँ और अनुमान लगवाएँ (कहानी में क्या होगा? कहानी में कौन होंगे?)
- कहानी सुनाते समय आवाज़ में उतार–चढ़ाव और हाव–भाव का उपयोग करें।
- पठन के दौरान अधिक चर्चा करने से बचें। बीच–बीच में 1–2 अनुमान लगाने वाले प्रश्नों को पूछ सकते हैं।
- अगर कोई कठिन या अनजान शब्द कहानी के दौरान मिले तो बच्चों को उसका अर्थ स्थानीय भाषा एवं उदाहरण की मदद से समझा दें। यह सुनिश्चित करें कि बच्चों का पूरा ध्यान कहानी सुनने पर हो।
- कहानी सुनाने के बाद बच्चों से बातचीत करें। ऐसे प्रश्नों की मदद लें जो बच्चों को अर्थ निर्माण में मदद करें।

Y5W3A2

कलरव के पाठ पर कार्य

पहला दिन

- पाठ में कहानी से संबंधित चित्र के आधार पर कहानी के बारे में अनुमान लगाने पर कार्य– उदहारण– चित्रों में क्या दिख रहा है? इन चित्रों को देखकर क्या लग रहा है/कहानी किस बारे में है? इस कहानी में कौन–कौन (पात्र) होंगे? कहानी में क्या होगा?
- फिर शिक्षक द्वारा कहानी को हाव–भाव के साथ पढ़कर सुनाया/आदर्श वाचन किया जाएगा।
- इसके बाद बच्चों के अनुमान पर बातचीत की जाएगी और शिक्षक द्वारा कहानी से संबंधित कुछ प्रश्न किये जाएँगे। उदहारण– बतख और चूज़ा।
  - –चूज़े ने गड्ढा कैसे खोदा होगा?
  - –कहानी में चूज़े की जगह मछली का बच्चा होता तो क्या होता?

दूसरा दिन

- पाठ के अंत में दिए गए कुछ सरल अभ्यासों पर कार्य करवाएँ।
- फिर बच्चों को अपने शब्दों में कहानी सुनाने को कहें।
- बाकी बचे समय में कहानी से संबंधित विस्तृत चर्चा करें। इसके कुछ उदाहरण नीचे दिए गए हैं–
  - –कहानी का अंत बदल कर फिर से सुनाओ।
  - –दी गई कहानी के अंत से नई कहानी की शुरुआत करो।

चित्र पर चर्चा

चित्र पर बातचीत करने की विविध स्तर हो सकते हैं जो क्रमशः सरल यानी जो दिख रहा है, उनके नाम बताने से लेकर कार्य कारण संबंध बताने वाले, तर्क करने वाले और खुद के अनुभवों से जोड़ने वाले हो सकते हैं। चित्र से संबंधित बातचीत के लिए बच्चों को अपनी भाषा के उपयोग के मौके मिलने चाहिए। स्थानीय भाषा और सन्दर्भ का इस्तेमाल ऐसी बातचीत के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षक की ओर से ऐसे प्रश्न रखे जाए कि बच्चों को चित्रों में अलग–अलग चीज़ों को खोजने उस पर अपने अनुभवों को बता पाने, तर्क कर पाने, घटनाओं पर अनुमान लगा पाने, एक घटना से दूसरी घटना के बीच संबंध बना पाने के आदि के मौके मिल सके।

चर्चा की शुरुआत– चर्चा की शुरुआत कुछ सामान्य बिन्दुओं से करें। इसके लिए इस तरह के प्रश्न किये जा सकते हैं? चित्र में क्या–क्या दिख रहा है? यह चित्र कहाँ का हो सकता है? कौन क्या कर रहा है इत्यादि। ऐसे सामान्य प्रश्नों के द्वारा कोशिश करें कि सभी बच्चे इस प्रक्रिया से जुड़ जाएँ और चर्चा शुरू हो जाए।

- **चित्रों को अनुभवों से जोड़ना–** अब शिक्षक ऐसे प्रश्न कर सकते हैं जिससे बच्चे अपने परिवार और आसपास होने वाली घटनाओं से अपने आप को जोड़ सकें जैसे– आपने इसे कब देखा है? क्या आपने किसी को ऐसे करते देखा है? आप के घर में यह कौन करता है आदि।

- **विभिन्न अर्थ निर्माण से संबंधित प्रश्न–** इसके अंतर्गत ऐसे प्रश्न पूछे जा सकते हैं जिसमें बच्चों को तर्क करने, कल्पना करने, अनुमान लगाने इत्यादि के मौके मिलें। जैसे– बिल्ली पेड़ के पीछे क्यों छिपी है? गिलहरी क्या सोच रही होगी? अगर यहाँ एक चूहा और एक कुत्ता भी होता तो बंदर क्या कर लेता? इत्यादि।

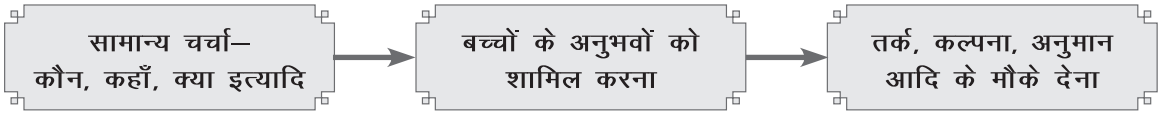

यह गतिविधि सबसे ज्यादा इस बात पर निर्भर करती है कि शिक्षक कैसे सभी बच्चों को चर्चा के लिए सहज और उत्सुक बनाते हैं। इसमें शिक्षक द्वारा स्थानीय भाषा का उपयोग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चित्र चार्ट एवं कलरव–1 के चित्रों से संबंधित पाठों पर कार्य करने के चरण

- चित्रों पर पहले सामान्य बातचीत करें। इसके लिए सरल प्रश्नों का उपयोग करें।
- फिर बच्चों के अनुभवों को चर्चा में जगह देने के लिए प्रश्न करें।
- आखिर में, तर्क, कल्पना और अनुमान लगाने वाले प्रश्नों के द्वारा चित्र पर विस्तृत चर्चा करें।

ध्यान देने योग्य बातें:
शिक्षक इस बात का ध्यान रखें कि विभिन्न गतिविधियों के दौरान जब बच्चे बातचीत कर रहे हों तब उच्चारण संबंधित गलतियों को सुधारने से बचें। ऐसा इसलिए क्योंकि बातचीत के दौरान अगर उच्चारण सही करने पर बच्चों का ध्यान चला जाता है तो वे बोलने से हिचकने लगते हैं और कक्षा की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी कम होने लगती है।

ध्वनि चेतना पर कार्य

कक्षा 1 में सबसे ज़रूरी है ध्वनि चेतना पर काम करना। ध्वनि चेतना पर जितना बेहतर काम होगा बच्चे उतने ही बेहतर तरीके से डिकोडिंग और ब्लेंडिंग की गतिविधियों पर काम कर पाएँगे।

तुकांत शब्दों पर कार्य

- बच्चों को एक छोटी से कविता सुनाएँ जिसमें तुकांत शब्द हों। बच्चों को कविता में आए तुकांत शब्द/शब्दों के उदाहरण दें।
- फिर 4–5 नए तुकांत शब्दों के उदाहरण बच्चों को दें जैसे– काम, नाम, दाम, राम।
- अब बच्चों को कुछ (7–8) नए शब्द दें और उन्हें तुकांत शब्द बनाने को कहें।
- इस गतिविधि में तुकांत शब्दों के अर्थ पर ज़ोर देने की आवश्यकता नहीं है। अगर बच्चे पानी के तुकांत शब्द के रूप में सानी, चानी, फानी कहें, तो भी इन्हें स्वीकार करें।

वाक्यों में शब्द पहचान पर कार्य

- बच्चों को 3–4 शब्दों का एक छोटा वाक्य बोलें। फिर इस वाक्य को धीरे बोलें और हर शब्द पर ताली बजाएँ, जैसे– **मेरा (ताली) नाम (ताली) आदित्य (ताली) है (ताली)।** बच्चों से पूछें कि आपने कितनी बार ताली बजाई? तो इस वाक्य में कितने शब्द हैं? कौन–कौन से शब्द हैं? अगर बच्चे गलत जवाब दें तो उनकी गलतियाँ सुधारें।
- ऐसे ही 3–4 वाक्यों के साथ यह प्रक्रिया करें।
- अब कुछ बच्चों को अपने नाम एक वाक्य में बताने को कहें और हर शब्द में ताली बजाने को कहें और बाद में यह भी बताने को कहें कि वाक्य में कुल कितने शब्द थे और वे कौन से शब्द थे।
- अब 4–5 अन्य बच्चों को आप नए–नए वाक्य दें और उनसे अभ्यास करवाएँ।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चो को (शुरूआती सप्ताहों में) यह गतिविधि आपके मार्गदर्शन में करने का मौका मिले।

शब्द में ध्वनि पहचान पर कार्य

- आप अपना नाम बच्चों को बोलें। एक बार फिर अपना नाम दोहराएँ और इस बार हर ध्वनि पर एक ताली बजाएँ, जैसे– **म (ताली) नो (ताली) ज (ताली)।** अब बच्चों को पूछें– मैंने कितनी बार ताली बजाई? तो, मेरे नाम में कितनी आवाज़ें हैं? यह आवाज़ें (ध्वनियाँ) कौन सी हैं? अगर बच्चे गलत जवाब दें तो उनकी गलतियाँ सुधारें।
- ऐसे ही 3–4 नए शब्दों के साथ यह प्रक्रिया करें।
- अब कुछ बच्चों को अपने नाम बोलने को कहें और हर ध्वनि पर ताली बजाने को कहें। बाद में यह भी बताने को कहें कि उनके नाम में कुल कितनी ध्वनियाँ थीं और वे कौन–सी थीं।
- अब 4–5 अन्य बच्चों को आप नए–नए शब्द (परिचित) दें और उनसे अभ्यास करवाएँ।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चो को शुरूआती सप्ताहों में) यह गतिविधि आपके मार्गदर्शन में करने का मौका मिले।

शब्द में पहली ध्वनि की पहचान पर कार्य

- आप अपना नाम बच्चों को बोलें। बच्चों से पूछें कि आपके नाम में पहली ध्वनि किसकी आई। अगर बच्चे गलत जवाब दें तो उनके उत्तर को सुधारें।
- अब बच्चों को 3–4 नए शब्द दें और इनकी पहली ध्वनि पहचानने को कहें।
- अब कुछ बच्चों को अपने नाम बोलने को कहें और उनके नामों के पहली ध्वनि को पहचानने को कहें।
- अब 4–5 अन्य बच्चों को आप नए–नए शब्द शुरूआती सप्ताहों में) दें और उनसे शब्द में पहली ध्वनि की पहचान का अभ्यास करवाएँ।
- यह सुनिश्चित कर लें कि सभी बच्चो को यह गतिविधि आपके मार्गदर्शन में करने का मौका मिले।

डिकोडिंग पर कार्य

अक्षर और ध्वनि के संबंध के आधार पर किसी शब्द को प्रिंट से ध्वनि में बदल कर उच्चारित करने की क्षमता को डिकोडिंग कहते हैं। इस चरण में किसी शब्द के अलग–अलग अक्षरों की ध्वनियों को पहचानना, ध्वनियों को आपस में जोड़ना, पूरे शब्द को एक साथ उच्चारित करना (या पढ़ना) और उसका अर्थ समझना, (यदि वह शब्द पहले ज्ञात है) आदि प्रक्रियाएँ होती हैं।

वर्ण पहचान पर कार्य:

उदाहरण– न वर्ण पर कार्य करने के चरण:

- 'नल' को बोर्ड पर लिखें और उसकी पहली आवाज़ के प्रतीक पर घेरा लगाएँ। फिर 'न' को अलग से बोर्ड पर लिख कर 3–4 बार उच्चारण करें।
- बच्चों से 'न' की आवाज़ से शुरू होने वाले 4–5 शब्द/नाम पूछकर बोर्ड पर लिखें। शब्द को तोड़कर पहली ध्वनि पर बल दें और बच्चों से 'न' पर गोला लगवाएँ।
- बच्चों को 'न' वर्ण को कक्षा में प्रदर्शित सामग्रियों और कलरव–1 से ढूँढकर बताने को कहें। अलग–अलग तरीकों से बच्चों द्वारा 'न' वर्ण के लेखन का अभ्यास (कॉपी और कार्यपुस्तिका–1 के पूर्व) करवाएँ। जैसे– अपनी उँगली से हवा में लिखो, ज़मीन/रेत पर लिखो, अपनी हथेली पर लिखो, हवा में कोहनी से या पैर से लिखो आदि।
- अंत में कॉपी और कार्य कार्यपुस्तिका–1 में वर्ण के लेखन का अभ्यास करवाएँ।

मात्रा पहचान पर कार्य:

- बोर्ड पर किसी वर्ण को लिखें और इसका उच्चारण करें। फिर उस वर्ण में लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। उदाहरण– न ना
- कुछ अन्य वर्ण लेकर उसमें लक्षित मात्रा लगाकर उच्चारण करें। उदाहरण– क का, ल ला, प पा
- सिखाए गए 5–7 वर्ण और लक्षित मात्रा से एक क्रमिक (sequence) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और 4–5 बार उच्चारण करके दिखाएँ।

म	मा
क	का
ह	हा
ज	जा
त	ता
र	रा

A2C6L9

- इसी प्रकार से एक पादृच्छिक (random) ग्रिड बोर्ड पर बनाएँ और बच्चों को वर्ण एवं अक्षर की पहचान करने को कहें। उदाहरण–

म	जा	का	बा
हा	फ	त	न
फा	ग	ब	र
घ	घा	ह	रा

- अंत में इससे संबंधित लेखन कार्य कॉपी या कार्यपुस्तिका 1 में करवाएँ।

वर्ण/अक्षर जोड़कर ब्लेंडिंग शब्द बनाने का कार्य:

- बोर्ड पर दो बॉक्स बनाएँ और उनमें वर्ण/अक्षर बोलते हुए लिखें। फिर, उसके सामने बड़े बॉक्स में इन दोनों वर्णों/अक्षरों से बने शब्द को लिखें। फिर पहले अलग–अलग उच्चारण करके, फिर इन्हें जोड़कर उपयुक्त गति से पढ़ें। जैसे– बा | ल | बाल
- फिर, 5–6 शब्दों के साथ भी यही चरण करें। इन दोनों शब्दों को बच्चों के साथ ऊपर की तरह जोड़कर पढ़ें।
- 4–5 शब्द और लें और उन्हें बोर्ड पर इसकी तरह से लिख दें फिर बच्चों को आपके साथ इन्हें पढ़ने को कहें।
- कुछ बच्चों को इन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने को कहें।

शब्द पठन पर कार्य:

- 4–5 शब्दों को बोर्ड पर लिखें (सिखाए गए वर्ण एवं मात्रा से बने हुए) और इन्हें दो बार पढ़कर दिखाएँ। शब्द को सीधे–सीधे पढ़ें। जैसे– 'काम' इसे तोड़कर (का म) की तरह नहीं पढ़ें।
- फिर ऐसे ही सरल (2–3 वर्ण/मात्राओं से बने हुए) 6–7 शब्द बोर्ड पर लिखें और बच्चों को इन्हें पढ़ने को कहें।
- अंत में कलरव–1 एवं कार्यपुस्तिका–1 में दिए गए शब्द पठन का अभ्यास करवाएँ।

ध्यान देने योग्य बातें:

- डिकोडिंग पर कार्य करने के दौरान बच्चों को अभ्यास के पर्याप्त मौके मिलने चाहिए इससे संबंधित खेल गतिविधियाँ भी कराई जानी चाहिए।
- किसी सप्ताह एवं पहले के सप्ताहों में सिखाये गए वर्ण/मात्रा की पुनरावृत्ति साप्ताहिक रूप से बच्चों के साथ कराई जानी चाहिए। इससे शिक्षक को पीछे छूटे हुए बच्चों के साथ निरंतर रूप से कार्य करने का मौका मिलता है। इसके लिए सप्ताह के छठे दिन को उपयोग में लाये जाने की योजना प्रस्तावित है।

11. प्रथम कालांश (मौखिक भाषा विकास) की दैनिक कार्य योजनाः एक नमूना

मौखिक भाषा विकास की गतिविधियाँ	गतिविधियों को करने का तरीका
कक्षा में अनुकूल वातावरण बनाने के लिए गतिविधियाँः कहानी (5–7 मिनट)	'कछुआ और खरगोश' (आधारशिला क्रियान्वयन संदर्शिका, भाग–4, पृष्ठ– 67) • शिक्षक पूरे हाव–भाव के साथ कहानी का आदर्श वाचन करें। • फिर, आप बच्चों से कहानी के आधार पर कुछ सवाल करें, जैसेः 1. अगर कछुआ पेड़ के नीचे लेटकर आराम नहीं करता तो कौन जीतता? 2. खरगोश ने आराम करने का क्यों सोचा होगा? 3. आप अगर खरगोश होते तो क्या करतें?
चित्र पर चर्चा (25–30 मिनट)	**चित्र चार्ट– खेत** • चित्र चार्ट से संबंधित सरल सवाल पूछें, जैसेः 1. इस चित्र में आपको क्या–क्या दिख रहा है? 2. इस चित्र में कितने लोग हैं? 3. आपको क्या लगता है, यह कहाँ का चित्र होगा? 4. खेत में क्या उगा है? 5. क्या आपने खेत देखा है? कहाँ? • चित्र चार्ट पर बच्चों के साथ विस्तृत चर्चा करें और इस चर्चा में उनके अनुभवों को शामिल करने के साथ–साथ तर्क और कल्पना करने के लिए कुछ प्रश्न करें, जैसेः 1. यह सुबह, दोपहर या शाम का चित्र है? आपको कैसे पता चला? 2. पेड़ के नीचे बैठा बच्चा क्या सोच रहा है? 3. खेत में क्या काम किया जाता है और कौन काम करते हैं? 3. अगर आप इस खेत में होते तो क्या काम करना पसंद करते? क्यों? इस गतिविधि द्वारा शिक्षक यह सुनिश्चित करें कि सभी बच्चों को कक्षा में अपनी बात रखने के पर्याप्त मौके मिलें। चित्र्र चार्ट या कलरव–1 के चित्रों पर कार्य करने के पहले शिक्षक चित्र से संबंधित ऐसे प्रश्नों की एक सूची बना लें जिससे बच्चों को तर्क, कल्पना और अपने अनुभव साझा करने के मौकें मिलेंगे।

नोटः डिकोडिंग पर कार्य की अलग से दैनिक योजना नहीं दी जा रही है क्योंकि पाठ–9, दैनिक शिक्षण योजना : सप्ताह 1–8 में इस पर विस्तार से चर्चा की गई है।

12. साप्ताहिक आकलन और पुनरावृत्ति

आकलन कक्षा–कक्ष में शिक्षण प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है। आकलन ही वह प्रक्रिया है जिससे एक शिक्षक को यह पता चलता है कि उसके विद्यार्थी कक्षा–कक्ष में कितना सीख पा रहे हैं और अपनाई जा रही शिक्षण प्रक्रिया कितनी कारगर है। एक बेहतर आकलन, शिक्षक को ठहरकर सोचने का मौका देता है कि उसे उसकी शिक्षण प्रक्रिया में कौन से बदलाव करने ज़रूरी हैं।

कई बार शिक्षक आकलन प्रक्रिया को शिक्षण से अलग मानते हैं जबकि यह अनिवार्य रूप से शिक्षण का ही हिस्सा है। 8 सप्ताह के इस विशेष भाषा शिक्षण योजना में भी आकलन की व्यवस्था की गयी है जिससे शिक्षक अपनी शिक्षण योजनाओं में बदलाव करते हुए, विद्यार्थियों को कैसे बेहतर ढंग से सिखाया जाए, इसका अवसर देते हुए, विद्यार्थियों का बेहतर ढंग से सीखना सुनिश्चित कर सकते हैं।

साप्ताहिक आकलन

सप्ताह–2 से प्रत्येक सप्ताह के छठे दिन अनौपचारिक रूप से आकलन किया जाना प्रस्तावित है। साप्ताहिक पुनरावृत्ति का कार्य भी इसी आकलन पर आधारित होगा एवं इसी दिन करवाया जाना प्रस्तावित है। इस आकलन का मुख्य उद्देश्य अभी तक बच्चों द्वारा सीखी गई विषयवस्तु को जानना और उन बच्चों की पहचान करना है जो उस विषयवस्तु के लिए निर्धारित दक्षताएँ हासिल नहीं कर पाए।

पुनरावृत्ति के दौरान उन बच्चों के साथ कार्य किया जाना है, जो निर्धारित दक्षताएँ प्राप्त नहीं कर पाए हों। इसके लिए बेहतर होगा कि सप्ताह भर सिखाई गई दक्षताओं की सूची बना लें और उनको आधार बनाकर आकलन करें।

नीचे दी गई तालिका में मौखिक भाषा विकास एवं डिकोडिंग पर किस तरह आकलन किया जाएगा एवं आकलन के बिंदु क्या होगा इसका उल्लेख किया गया है।

सप्ताह संख्या	मौखिक भाषा विकास	डिकोडिंग
0	कोई आकलन नहीं	
1	कोई आकलन नहीं	
2	सप्ताह के अनुसार बच्चों को चित्र चार्ट दिखाएँ और चार्ट में दिख रहे विभिन्न चीज़ों के चित्रों को पहचानकर उनके नाम बोलने को कहें। निर्धारित सप्ताह के चित्र चार्ट के साथ ही शिक्षक पिछले सप्ताहों के चित्र चार्टों को भी आकलन के लिए उपयोग में ला सकते हैं।	अ, आ, इ, ई, उ, ऊ वर्णों के पहचान के आकलन पर कार्यः • इन वर्णों को पेपर पर लिखें एवं बच्चों को एक–एक कर अपने पास बुलाकर इनका उच्चारण करने को कहें। • इन वर्णों से बनाने वाले कुल 10–12 शब्दों को एक पेपर में लिखें और बच्चों को बारी–बारी से बुलाकर इनके पहले अक्षर की पहचान करने को कहें– उदाहरण– अगर, उतना, आदर, ऊपर, इसलिए, अनाज, ईख, उसका, इटानगर, आदर, ईश्वर, इसका

3		• सभी बच्चों को अपनी कॉपी निकालने को कहें और इन वर्णों का क्रम रहित तरीके से उच्चारण करें। बच्चों को इन वर्णों को अपनी कॉपी में लिखने को कहें और जाँच लें। इन तीन तरह के आकलन के बाद यह तय कर लें कि किन बच्चों को सबसे ज़्यादा आपकी मदद की ज़रूरत है (जो अभी भी वर्ण नहीं पहचान पा रहें हैं), उनके साथ फिर से इनके पहचान पर व्यवस्थित रूप से कार्य करें। क, ख, ग, घ, का, खा, गा, घा के पहचान के आकलन पर कार्यः • इन वर्णों/अक्षरों (वर्णों एवं मात्राओं के जोड़ से बने) को एक पेपर पर लिखें एवं बच्चों को एक–एक कर बलाकर इनका उच्चारण करने को कहें। • इन वर्णों/अक्षरों से बनाने वाले कुल 10–12 शब्दों को एक पेपर पर लिखें और बच्चों को बारी–बारी से बुलाकर इनके पहले अक्षर की पहचान करने को कहें (ये अक्षर शब्द के पहले या अंत में आने चाहिए) उदाहरण– कपड़ा, गागर, पंख, घास, गलती, नाका, खाल आदि। पिछले सप्ताह के वर्णों को भी आकलन में सम्मिलित करें। • सभी बच्चों को अपनी कॉपी निकालने को कहें और इन वर्णों/अक्षरों (नए और पिछले सप्ताह वाले) का क्रम रहित तरीके से उच्चारण करें। बच्चों को इन वर्णों को अपनी कॉपी में लिखने को कहें। इन तीन तरह के आकलन के बाद यह तय कर लें कि किन बच्चों को सबसे ज़्यादा आपकी मदद की ज़रूरत है (जो अभी भी वर्ण/अक्षर नहीं पहचान पा रहे हैं), उनके साथ फिर से इनकी पहचान पर व्यवस्थित रूप से कार्य करें।
4 5	सप्ताह के अनुसार बच्चों को चित्र चार्ट दिखाएँ और चार्ट में दिख रहे विभिन्न चीज़ों के चित्रों को पहचानकर उनके नाम बोलने को कहें। निर्धारित सप्ताह के चित्र चार्ट के साथ ही शिक्षक पिछले सप्ताहों के चित्र चार्टों को भी आकलन के लिए उपयोग में ला सकते हैं।	सप्ताह–3 में किए गए आकलन को आधार बनाकर सप्ताह–4 एवं 5 में कार्य करें। पिछले सप्ताहों के वर्णों एवं अक्षरों के पहचान का भी आकलन करें।

6 7 8	सप्ताह के अनुसार बच्चों को चित्र चार्ट दिखाएँ और चार्ट में दिख रहे विभिन्न चीज़ों के चित्रों को पहचानकर उनके नाम बोलने को कहें। इसके साथ ही बच्चों को निर्धारित सप्ताह के चित्र चार्ट के बारे में कम से कम एक वाक्य बोलने को कहें एवं इसके आधार पर आकलन करें।	सप्ताह–3 में किए गए आकलन को आधार बनाकर इस सप्ताह और पिछले सप्ताहों के वर्णों एवं अक्षरों के पहचान का आकलन करें। इसके साथ ही, इनसे बनने वाले शब्द पठन का भी आकलन करें। • इसके लिए 2–3 वर्णों एवं अक्षरों से बनने वाले 5–7 शब्दों को पेपर में लिख लें और पहले की ही तरह बच्चों को बारी–बारी से इन्हें पढ़ने को बोलें। जैसे– काट, झाग, खादी, गीता, ठग, छाता, चूज़ा • 5 सरल और परिचित शब्द बच्चों को बोलें (हर शब्द धीरे, स्पष्ट रूप से एवं 2–2 बार) और बच्चों को इन शब्दों को अपनी कॉपी में लिखने को कहें। इन आकलन के आधार पर पीछे छूट रहे बच्चों के साथ व्यवस्थित रूप से (वर्ण/मात्रा पहचान, ब्लेंडिंग एवं शब्द पठन पर) कार्य करें।

पुनरावृत्ति पर कार्य

साप्ताहिक पुनरावृत्ति पर नियमित रूप से कार्य किया जाना चाहिए। हर सप्ताह में छठे दिन पुनरावृत्ति का काम बेहद ज़रूरी है।

- पुनरावृत्ति से संबंधित कार्य करने से पूर्व शिक्षकों को यह तय कर लेना आवश्यक है कि वे किन बच्चों के साथ काम करेंगे। *पाठ–9 दैनिक शिक्षण योजना सप्ताह : 1–8* के आकलन एवं पुनरावृत्ति (छठा दिन) में इस पर बात की गई है।
- अलग–अलग कारणों से कुछ बच्चे अपने सहपाठियों की अपेक्षा पढ़ने–लिखने में पीछे छूट जाते हैं। पुनरावृत्ति का उद्देश्य यह है कि इन बच्चों के साथ एक व्यवस्थित योजना के आधार पर कार्य किया जाना चाहिए जिससे कि इन्हें पढ़ने–लिखने में आ रही समस्याओं को दूर किया जा सके।
- जब शिक्षक पीछे छूटे हुए बच्चों के साथ कार्य कर रहे हों तब बाकी बच्चों को स्वतंत्र पठन, लेखन, कार्यपुस्तिका में अभ्यास जैसी गतिविधियाँ देनी चाहिए ताकि किसी भी बच्चे का समय नष्ट न हो एवं शिक्षक को भी छोटे समूह में कार्य करने में कोई परेशानी नहीं आए।
- साप्ताहिक पुनरावृत्ति के दौरान दो अलग–अलग समूहों के साथ कार्य करने की प्रक्रिया एक डायग्राम के माध्यम से समझाई गई है। इसके लिए नीचे दिए गए डायग्राम को देखें :